E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -289 | प्रयागराज, बुधवार 25 फरवरी, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

आज से ख़त्म ट्रम्प की इमरजेंसी टैरिफ,समझौते से पीछे हटने वाले देशों को ट्रम्प की धमकी-खेलो मत वरना ऊंचे टैरिफ लगाऊंगा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सरकार आज से राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ

की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था। अमेरिकी यूएस कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने एक बयान में कहा- '1977 के कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत लगाए गए टैरिफ की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट (भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे) से बंद कर दी जाएगी। एजेंसी ने इम्पोर्ट्स को निर्देश दिया है कि इन टैरिफ से जुड़े सभी कोड उसके कार्गो सिस्टम से हटा दिए जाएंगे।' पेन व्हार्टन बजट मॉडल के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक कोर्ट से इस फैसले से अमेरिकी सरकार को 175 अरब डॉलर (15.75 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा की कमाई वापस करनी पड़ सकती है। रॉयटर्स के मुताबिक, IEEPA के तहत लगाए गए टैरिफ से अमेरिका की हर दिन 50 करोड़ डॉलर (4,500 करोड़ रुपए) से ज्यादा की कमाई हो रही थी। अब इन्हें रद्द किए जाने के बाद कंपनियां रिफंड की मांग कर सकती हैं। टूथ सोशल पर ट्रम्प ने कहा, 'कई देशों ने अमेरिका को व्यापार में बरसों तक नुकसान पहुंचाया है।' ट्रम्प का बयान ऐसे समय पर आया है, जब मंगलवार से भारत समेत सभी देशों पर 15फीसदी टैरिफ शुरू हो जाएगा। दरअसल, कुछ देश 15फीसदी टैरिफ का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प ने ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों से ट्रेड डील कर 10इ अमेरिकी बेस लाइन टैरिफ चुकाने पर सहमति जताई थी। अब 15फीसदी टैरिफ चुकाना पड़ेगा। इन देशों का कहना है कि ट्रेड डील में जब 10फीसदी टैरिफ पर करार हुआ है तो वे ज्यादा टैरिफ नहीं चुकाएंगे। इस पर ट्रम्प प्रशासन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है।राष्ट्रपति ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद सोमवार को कहा कि इस फैसले से उल्टा उनकी ताकत और बढ़ गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने अनजाने में उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए हैं। ट्रम्प ने कहा, 'मैं कुछ समय तक 'सुप्रीम कोर्ट' स्माल लेटर में लिखूंगा, क्योंकि मुझे इस फैसले का सम्मान नहीं रहा।' उन्होंने फैसले को मूर्खतापूर्ण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांटने वाला बताया। इसके बावजूद ट्रम्प का कहना है कि इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि वह दूसरे कानूनों के तहत टैरिफ लगाने की अपनी ताकत का और ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं।

रांची से दिल्ली जा रहा था एयर एंबुलेंस चतरा में क्रैश,7 की मौत

रांची। झारखंड से दिल्ली जा रहा एक चार्टेड प्लेन चतरा में क्रैश

हो गया। प्लेन में सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। रेडबर्ड कंपनी का बीचक्राफ्ट किंग एयरँ 90थ एक एयर एंबुलेंस था। फ्लाइट ने सोमवार शाम 7:11 बजे रांची से उड़ान भरी, 7:34 पर एयरक्राफ्ट का कम्युनिकेशन टूट गया। थोड़ी देर बाद प्लेन झारखंड के चतरा जिले के समरिया के जंगलों में क्रैश हो गया। प्लेन में कैप्टन विवेक विकास भगत (पायलट), कैप्टन सबराजदीप सिंह (को-पायलट), संजय कुमार (मरीज), अर्चना देवी (परिजन), धूरू कुमार (परिजन), विकास कुमार गुप्ता (डॉक्टर), सचिन कुमार मिश्रा (पैरामेडिकल स्टाफ) सवार थे। रांची के देवकमल हॉस्पिटल के सीईओ, अनंत सिन्हा ने पीटीआई को बताया कि एयर एम्बुलेंस का इंतजाम एक मरीज ने किया था। उन्होंने कहा, 'लातेहार जिले के चंदवा के रहने वाले मरीज संजय कुमार (41) को 16 फरवरी को 65 परसेंट जलने की हालत में हॉस्पिटल लाया गया था। हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था। सिन्हा ने आगे कहा कि परिवार वालों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाने का फैसला किया। मरीज को लगभग 4.30 बजे हॉस्पिटल से दिल्ली के लिए ले जाया गया। शाम को विमान हादसे में मरीज के साथ जा रहे सभी लोगों की मौत हो गई। डीजीसीए ने कहा कि एयरक्राफ्ट ने 7:10 पर रांची से उड़ान भरी थी। 7:30 बजे विमान ने खराब मौसम के कारण रास्ता बदलने (डायवर्जन) की अनुमति मांगी। इसके कुछ ही देर बाद विमान का कोलकाता एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क और रडार कनेक्शन टूट गया। फिर विमान क्रैश हो गया।

मेक्सिको

ड्रग माफिया की मौत के बाद से 20 राज्यों में उपद्रव,57 मौतें

20 बैंक फूंके; गर्लफ्रेंड से लोकेशन का पता चला

मॉस्को। मेक्सिको में ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो की मौत के बाद सोमवार को भी हिंसक प्रदर्शन हुए। बीबीसी के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में

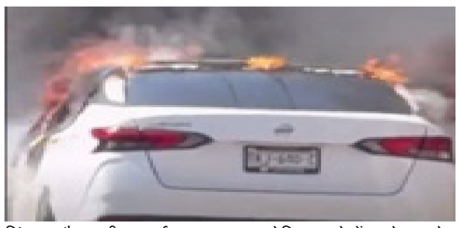

हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लॉक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल हैं। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और रॉकेट लॉन्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। दरअसल, मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए। मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकॉप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बॉडीगार्ड ने दम तोड़ दिया।न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मेंचो की मौत से मेक्सिको और अमेरिका के रिश्तों में सुधार हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प मेक्सिको पर दबाव बना रहे थे कि वह कार्टेल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित कर सकेंगे बैंक,हाईकोर्ट ने राहत वापस लेली

मुंबई। रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक अब फ्रॉड

घोषित कर सकेंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को उन्हें मिली राहत का आदेश रद्द कर दिया है। कोर्ट ने दिसंबर 2025 में 40 हजार करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में बैंकों को फ्रॉड घोषित करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।एसबीआई ने एक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर अंबानी के खातों को फ्रॉड की श्रेणी में डाल दिया गया था। अंबानी ने इस कार्रवाई को चुनौती दी। कहा कि बैंकों ने सुप्रीम कोर्ट के सिद्धांतों का पालन नहीं किया। दिसंबर 2025 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल अंबानी के खातों को फ्रॉड घोषित करने पर रोक लगा दी। बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक और आईडीबीआई बैंक ने जनवरी 2026 में सिंगल बेंच के स्टे ऑर्डर को चुनौती दी थी। बैंकों का तर्क था कि वे फॉरेंसिक ऑडिट के आधार पर कार्रवाई करना चाहते हैं। अब बैंक कानून के मुताबिक आगे की कार्यवाही कर सकेंगे। पिछले हफ्ते अनिल अंबानी ने कोर्ट को भरोसा दिलाया था कि वे देश छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे और बिना अनुमति के विदेश यात्रा नहीं करेंगे। अनिल अंबानी ने ये भी कहा था कि रिलायंस ग्रुप की कंपनियों के खिलाफ चल रही ईडी और सीबीआई की जांच में पूरा सहयोग करेंगे। इसी महीने की शुरुआत में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने मामले की जांच में हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों (ईडी और सीबीआई) से पूछा था कि जांच में

पश्चिम बंगाल एसआईआर

ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे वेरिफिकेशन में मदद,सुप्रीम कोर्ट बोला- इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में सामने आए 80 लाख क्लेम निपटाने के लिए 2 राज्यों से सिविल जजों को तैनात करने की परमिशन दे दी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि कलकत्ता हाईकोर्ट पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट एसआईआर प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए झारखंड-ओडिशा के

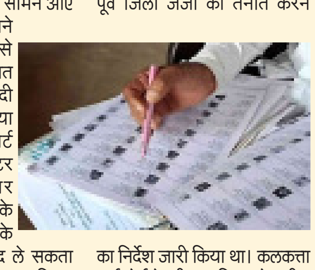

सिविल जजों की मदद ले सकता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि वह 28 फरवरी को बंगाल की फाइनल एसआईआर लिस्ट पब्लिश कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन प्रोसेस आगे बढ़ता है तो पोल पैनल सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी कर सकता है।इससे पहले 20 फरवरी को, पश्चिम बंगाल सरकार और ई.सी के बीच चल रही खींचतान से निराश होकर कोर्ट ने एसआईआर प्रोसेस में पोल पैनल की मदद के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जजों को तैनात करने का निर्देश जारी किया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर में बताया था कि 80 लाख लोगों के क्लेम से निपटने के लिए 250 डिस्ट्रिक्ट जजों को 80 दिन लग सकते हैं। इस पर एक्शन लेते हुए सीजेआई ने सिविल जजों की मदद लेने की परमिशन दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा कि वे झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से वहां के ज्यूडिशियल ऑफिसर भेजने की मांग रख सकते हैं। बेंच ने कहा कि इन ऑफिसरों का खर्च चुनाव आयोग उठाएगा। राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लिस्ट में से हटाए गए 80 लाख दावों में माता-पिता के नाम, वोटर और उसके माता-पिता के बीच उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना शामिल है।सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पूरी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए आदेश जारी किया कि बंगाल में सप्लीमेंट्री इलेक्टोरल रोल में वोटरों को फाइनल लिस्ट में शामिल माना जाएगा। यह शक्तियां कोर्ट को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली हैं। यह अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट को विशेष शक्ति देता है कि वह पूर्ण न्याय के लिए जरूरी आदेश या डिक्री जारी कर सके। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट किसी भी मामले में ऐसा आदेश दे सकता है जो पूर्ण न्याय के लिए जरूरी हो। वह आदेश पूरे भारत में लागू होगा। हालांकि यह शक्तियां असीमित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट संविधान और मौलिक अधिकारों के खिलाफ आदेश नहीं दे सकता।

स्पाइसजेट की फ्लाइट की हुई इमरजेंसी लैंडिंग,150 यात्रियों के साथ दिल्ली से लेह जा रही थी-इंजन में खराबी आई

नयी दिल्ली। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के बोइंग 737 प्लेन की

दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। फ्लाइट एसजी-121 ने मंगलवार सुबह 6.08 बजे दिल्ली के ही आईजीआई एयरपोर्ट से लेह के लिए उड़ान भरी थी। कुछ देर बाद प्लेन के इंजन-2 में खराबी आ गई। इसके बाद पायलट ने प्लेन वापस दिल्ली की ओर मोड़ लिया। फ्लाइट की 6.49 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 150 यात्री-क्रू सवार थे। घटना पर एयरलाइन ने कहा है कि फ्लाइट की सेफ लैंडिंग हुई है। कॉकपिट में किसी तरह की आग का अलर्ट नहीं मिला था। सभी यात्री सुरक्षित हैं।एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर प्लेन में फ्यूल कंट्रोल स्विच में खराबी आई थी। प्लेन लंदन के हीथ्रो हवाईअड्डे से उड़ान भरकर 2 फरवरी की सुबह बेंगलुरु पहुंचा था। प्लेन में 200 से ज्यादा-क्रू थे। फ्लाइट एआई-132 के बेंगलुरु में लैंडिंग के बाद पायलट ने विमान की डिफेक्ट लॉग बुक में बताया था कि बाएं इंजन का फ्यूल कंट्रोल स्विच 'रन' से 'कट ऑफ' की ओर फिसल रहा था। लॉक नहीं हो पा रहा था। एअर इंडिया ने कहा था कि पायलट की रिपोर्ट मिलने के तुरंत बाद विमान को फ्लाइट ऑपरेशन से हटा दिया गया।

एशिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोला अमेजन ने बेंगलुरु में,7,000 लोग काम करेंगे

बेंगलुरु। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने 23 फरवरी को बेंगलुरु के बाहरी इलाके कट्टिगेनाहल्ली में एशिया का अपना दूसरा सबसे बड़ा ऑफिस खोला है। 11 लाख

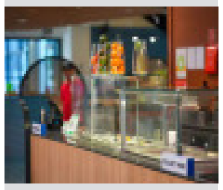

स्क्वेयर फीट में फैला यह 12 मंजिला कैंपस अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। ऑफिस में ई-कॉमर्स, ऑपरेशंस, पेमेंट्स, टेक्नोलॉजी और सेलर सर्विसेज जैसे विभागों के 7,000 से ज्यादा कर्मचारी एक साथ काम कर सकेंगे। अमेजन का यह नया कैंपस करीब 5 एकड़ जमीन पर बना है। अमेजन के ग्लोबल अफेयर्स और लीगल ऑफिसर डेविड जापोल्स्की ने बताया कि भारत में टेक्नोलॉजी अपनाने की रफ्तार और एआई को लेकर जो उत्साह है, वैसा दुनिया के किसी और देश में नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेजन अब तक भारत में अपने सभी बिजनेस में 40 बिलियन डॉलर (करीब 3.60 लाख करोड़ रुपए) का निवेश कर चुकी है। कंपनी ने 2030 तक 35 बिलियन डॉलर (करीब 3.20 लाख करोड़ रुपए) का अतिरिक्त निवेश करने का वादा किया है। डेविड जापोल्स्की ने बताया कि भारत के तेज रफ्तार वाले शहरों के लिए डिजाइन किया गया 'अमेजन नाउ' (क्विक कॉमर्स आउटलेट) काफी सफल रहा है। अब कंपनी भारत के इस मॉडल को मिडिल ईस्ट, नॉर्थ अमेरिका, यूरोप और लैटिन अमेरिका जैसे बाजारों में भी ले जा रही है। कैंपस के उद्घाटन समारोह में कर्नाटक के भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अमेजन द्वारा बेंगलुरु में लगातार किया जा रहा निवेश यह दर्शाता है कि भारत ग्लोबल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन हब के रूप में मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े कैंपस से न केवल नौकरियां पैदा होती हैं, बल्कि स्थानीय इकोसिस्टम और देश की डिजिटल इकोनॉमी को भी मजबूती मिलती है। अमेजन का एशिया और दुनिया में सबसे बड़ा ऑफिस हैदराबाद में है। 2019 में शुरू हुआ यह कैंपस 9.5 एकड़ में फैला है और यहां करीब 15,000 कर्मचारी काम कर सकते हैं।

नीला ड्रम

पिता की हत्याकर टुकड़े नीले ड्रम में छिपाए

लखनऊ। लखनऊ में पैथोलॉजी लैब मालिक पिता की 21 साल के

इकलौते बेटे ने हत्या कर दी। आरोपी ने बहन के सामने पिता को गोली मारी, फिर आरी से शव के टुकड़े कर नीले ड्रम में भर दिया। सिर को कार में रखकर 21 किलोमीटर दूर फेंक आया। किसी को बताने पर बहन को भी मार देने की धमकी दी। डर की वजह से बहन ने किसी को कुछ नहीं बताया। पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। उसकी बातें सुनकर पुलिसकर्मी हैरान रह गए। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता चाहते थे कि वह नीट क्वालीफाई करके एमबीबीएस करे। वह इस बात पर अड़ा था कि एमबीबीएस के लिए उस पर जबरदस्ती न की जाए। वह पिता से कहता था कि पैथोलॉजी लैब की जगह लॉन या रेस्टोरेंट खोला जाए, जो ज्यादा अच्छा बिजनेस रहेगा। इसी बात को लेकर 20 फरवरी को पिता से बहस हुई। गुस्से में उसने पिता की लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी। वारदात आशियाना कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-थ की है। मृतक मानवेंद्र सिंह वर्धमान पैथोलॉजी लैब के मालिक थे। शराब के कारोबार से भी जुड़े थे। डीसीपी विक्रांत वीर ने बताया- बेटे अक्षत ने ही वारदात को अंजाम दिया। शरीर के कई अंग अभी नहीं मिले हैं, जिन्हें आरोपी की निशानदेही पर खोजा जाएगा।मानवेंद्र सिंह मूल रूप से जालौन जिले के रहने वाले थे। उनके पिता सुरेंद्र पाल सिंह उत्तर प्रदेश पुलिस से रिटायर्ड हैं। कई साल पहले मानवेंद्र आशियाना सेक्टर-एल में मकान बनवाकर रहने लगे थे। नौ साल पहले पत्नी का निधन हो गया था।

मेट्रो सिटीज़ में 3 साल में 3 गुना बढ़े तलाक,58फीसदी केस में महिलाएं पहल कर रहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक फैमिली कोर्ट, सुबह के दस बज रहे हैं। बेंच पर एक महिला बैठी है- उम्र

28-29 साल, हाथ में फाइल, उसकी आंखों में न आंसू, न घबराहट। बस एक शांत, मुश्किल फैसला। महज तीन साल पहले इसी लड़की की शादी बड़े धूमधाम से हुई थी। लेकिन आज वो यहां है, एक ऐसे फैसले के साथ, जो उसने अकेले लिया, चुपचाप लिया और जिसे वो सही मानती है। ये कोई एक कहानी नहीं है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में दो दशक पहले जहां 0.6फीसदी विवाहित महिलाएं तलाकशुदा या अलग थीं, अब ये करीब 1फीसदी हो गई हैं। पुणे स्टडी 1986-87 के अनुसार, तलाक के 849 केस में 570 पतियों ने शुरू किए थे, पर अब करीब 58फीसदी महिलाएं पहल कर रही हैं। तलाकशुदा महिलाओं और पुरुषों का कोई एकीकृत सरकारी राष्ट्रीय डेटा नहीं है। मगर, प्राइवेट मार्केट रिसर्च कंपनियों की स्टडी कहती है- देश में तलाक की औसत आयु महिलाओं में 31, पुरुषों में 36 है। पीएलएफएस 2017-2024 के अनुसार, शहरी भारत में पुरुषों में तलाकशुदा का अनुपात 0.3फीसदी (2017-18) से बढ़कर 0.5फीसदी (2023-24) हो गया और महिलाओं में 0.6फीसदी से 0.7फीसदी हो गया। घरेलू हिंसा, बेवफाई या पारिवारिक दबाव जैसे निजी कारण तलाक की सबसे बड़ी वजह बनते हैं। पढ़ी-लिखी महिलाएं कानूनी अधिकारों को बेहतर समझती हैं और उनके इस्तेमाल में नहीं हिचकतीं। मुंबई फैमिली कोर्ट के एक अध्ययन के अनुसार, 40फीसदी मामलों में विवाह शादी के तीन साल के भीतर ही टूट जाता है और तलाक मांगने वाली अधिकतर महिलाएं 25 से 34 साल के बीच की हैं। एक स्टडी के अनुसार, जनवरी, सितंबर और मई में तलाक की सबसे ज्यादा याचिकाएं आती हैं। वहीं, अक्टूबर-नवंबर, दिसंबर और मार्च में सबसे कम। इसके पीछे त्योहार, बच्चों की छु?ट्टियां, अदालत के ग्रीष्मकालीन अवकाश जैसे कारण गिनाए जाते हैं। अदालतें अनिवार्य 6 महीने की प्रतीक्षा अवधि को माफ कर रही हैं। यह प्रक्रिया विवादित तलाक की तुलना में 30फीसदी कम तनावपूर्ण व तेज मानी गई है।

शंकराचार्य ने गिरफ्तारी रोकने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई,सारा सिस्टम मेरे खिलाफ

प्रयागराज। बच्चों से यौन शोषण मामले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मंगलवार को

इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। उन्हें डर है कि प्रयागराज पुलिस उनकी गिरफ्तारी कर सकती है। 21 फरवरी को एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रयागराज पुलिस ने जांच तेज कर दी। कल यानी सोमवार को पुलिस की एक टीम वाराणसी पहुंची। टीम ने स्थानीय पुलिस से शंकराचार्य और उनके करीबियों की जानकारी जुटाई। सूत्रों के मुताबिक, प्रयागराज पुलिस आज शंकराचार्य से पूछताछ करने उनके आश्रम पहुंच सकती है। गिरफ्तारी भी कर सकती है। इसी आशंका को देखते हुए शंकराचार्य ने वकील के जरिए हाईकोर्ट का रुख किया है। इधर, मंगलवार को शंकराचार्य ने वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रयागराज के एडिशनल पुलिस कमिश्नर अजय पाल शर्मा पर साजिश रचने का आरोप लगाया। मोबाइल पर अजय पाल शर्मा और आशुतोष महाराज की एक तस्वीर भी दिखाई। इसमें अजय पाल शर्मा केक काटते हुए नजर आ रहे हैं, जबकि आशुतोष महाराज उनके बगल में खड़े हैं।शंकराचार्य ने कहा-'इनका नाम अजय पाल शर्मा है। इस समय इनके अधीन ही जांच चल रही है। एक हिस्ट्रीशीटर के साथ पुलिस का बड़ा अफसर बर्थडे सेलिब्रेशन कर रहा है। मेरे खिलाफ सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से किया गया। पूरे सिस्टम को मेरे खिलाफ इसलिए लगाया गया है, ताकि मैं गो-रक्षा अभियान से पीछे हट जाऊं, लेकिन यह संभव नहीं है।' शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के सवाल पर लखनऊ में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा- मामला न्यायालय में विचाराधीन है। इसलिए अभी इस मुद्दे पर वह कुछ नहीं कहेंगे।

होली पर घर जाना हुआ आसान, प्रयागराज-हजरत निजामुद्दीन के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

प्रयागराज। होली के त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने प्रयागराज से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) के बीच विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। होली के त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने अहम फैसला लेते हुए प्रयागराज से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) के बीच विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। नियमित सुपरफास्ट और एक्सप्रेस ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है, जिससे यूपी और दिल्ली के बीच सफर करने वाले हजारों लोगों को राहत मिलेगी।बांदा के स्टेशन प्रबंधक मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेन संख्या 04123 प्रत्येक बुधवार को प्रयागराज से दोपहर 2.50 बजे रवाना होगी। शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूटधाम कर्वी तथा अतर्रा होते हुए शाम 6:35 बजे बांदा पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा और कोसीकला स्टेशनों से गुजरते हुए हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी।

एक ऐसा पगला-दीवाना जो सड़को पर ही 35 वर्षों से निष्काम सामाजिक जन जागरूकता का दीवाना

आइए मतदाता बने,हर वोट है जरूरी,मतदाता के रूप में आज ही पंजीकरण करवायें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नेक काम की शुरुआत के लिए कोई मुहूर्त नहीं होता ऐसी कोई सोच दिमाग में आती भी नहीं कि हम जो करने जा रहे हैं उसे देखकर लोग पागल/झाकी कहने से भी नहीं चूकेगे बस जुनून होना चाहिए यह सज्जन (सरदार पतविंदर सिंह)इसकी जीती जागती मिसाल है चाहते हैं कि लोकतंत्र के हर स्तर के चुनाव की वोटिंग परसेंटेज अच्छी हो मतदाता अपनी जिम्मेदारी को महसूस करें,आइए मतदाता बने, हर वोट है जरूरी,मतदाता के रूप में आज ही पंजीकरण करवायें और जब वोट डालने का समय आए तो घरों से निकले यह अपील सामाजिक रूप से जन जागरूकता करते हुए भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह कभी नंगे पांव चलते नजर आ जाते हैं, तो कभी दीवारों पर मैसेज लिखते हुए, कभी पंपलेट बांटते हुए,कभी गधे पर

बैठे,मतदाताओं के मध्य बूट पॉलिश करते, हाथों में चरण पादुका लेकर युवाओं से कहते हैं कदम बढ़ाओ बूथ की ओर,मकसद सिर्फ मतदाताओं को जागरूक बनाना ताकि वह वोटिंग की जिम्मेदारी को पूरी करने के लिए घरों से निकले। एक अच्छी शुरुआत है कभी भी और कहीं से भी की जा सकती है बस मन में कुछ अच्छा और बेहतर करने की ललक होनी चाहिए नैनी-प्रयागराज के रहने वाले पिछले 35 वर्षों से सोशल एक्टिविटीज/भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह का ज्यादातर टाइम वोटर्स को अवेयरनेस करने में जाता है। सरदार पतविंदर सिंह कभी भी-कहीं भी पहुंच जाते और मतदाताओं को अवेयर करने वाला पोस्टर,बैनर लगाकर बैठा देखा जा सकता है बूट पॉलिश करने लगते साथ ही मतदाताओं को आवाज लगाते हुए बिल्कुल शर्म महसूस नहीं करते कि आओ भाई जूते-चप्पल मुफ्त में पॉलिश करा लो पैसा देने के बदले संकल्प लो कि इस बार अपना वोट (मतदान)जरूर करेंगे सरदार पतविंदर सिंह को ऐसा करते देखने वाले भी दंग हो जाते है सरदार पतविंदर सिंह आग्रेह करते थकते ही नहीं देश-प्रदेश को मजबूत करने के लिए वोट (मतदान)जरूर करेत नैनी के गुरु नानक नगर के रहने वाले सरदार पतविंदर सिंह को अपनी जिम्मेदारी का एहसास हुआ हमारा प्रयास भी कुछ ऐसा ही है मतदाताओं के दिमाग पर कुछ तो असर होगा सबसे जरूरी है कि लोकतंत्र के उत्सव में आइए मतदाता बने, हर वोट है जरूरी,मतदाता के रूप में आज ही पंजीकरण करवायें और जब वोट डालने का समय आए तो घरों से निकले यह अपील सामाजिक रूप से जन जागरूकता करते कहा कि सभी लोग शामिल हो जिससे देश-प्रदेश एक स्वच्छ,लोगों के सपनों का हिंदुस्तान बन सके पॉलिश करने का अर्थ है कि बड़ी संख्या में प्रदेश के मतदाता युवा युवती अपना नाम मतदाता सूची से जुड़वाएं और मतदान के समय मतदान करने को आगे आए।

मिशन रोजगारः वृहद रोजगार मेला 27 फरवरी को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी तनुजा यादव ने बताया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिशन रोजगार के तहत वृहद रोजगार मेलों का आयोजन कर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला सेवयोजन कार्यालय रायबरेली द्वारा 27 फरवरी को कर्मयोगी डिग्री कालेज, मुलिहामऊ, रायबरेली के परिसर में एक वृहद रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें रायबरेली सहित देश एवं प्रदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों और नियोजकों द्वारा नॉन टेक्निकल एवं टेक्निकल दोनों प्रकार के पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार मेले में बहुत सी कंपनियों द्वारा चयन किया जाएगा। इस मेले में हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, बीटेक, आईटी मैन्युफैक्चरिंग सर्विस सेक्टर, तकनीकी और गैर तकनीकी सभी क्षेत्र की कंपनियां उपलब्ध रहेगी। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि मेले में समस्त योग्यताधारी अभ्यर्थियों हेतु लगभग 2000 से अधिक रिक्तियां उपलब्ध हैं। वृहद रोजगार मेले में 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के समस्त पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी सम्मिलित हो सकते है। मेले में कंपनियों द्वारा चयन प्रक्रिया पूर्णतः निःशुल्क होगी। मेले मे शामिल होने वाली बड़ी कंपनियां- पेरेग्रीन गार्डिंग प्राइवेट लिमिटेड में सिक्योरिटी गार्ड-200, वेलस्पन लिविंग लिमिटेड में मशीन ऑपरेटर-120, महादेव हनुमान विजय प्लेसमेंट सर्विस द्वारा टाटा मोर्टस एवं एम0आर0एफ0 यजाकी इण्डिया-650, लुमेक्स मन्नोह एलाइड टेक्नोलॉजीस लिमिटेड में असेम्बली ऑपरेटर-50, ऊमोजा मार्केट प्लेस टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रिलायंस एवं जोमैटो यूनो मिंडा कंपनी-580 इत्यादि रिक्त पद उपलब्ध है।

एआई शिखर सम्मेलन में कांग्रेस ने देश की छवि को शर्मशार किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। एआई शिखर सम्मेलन में विश्व पटल पर कांग्रेस ने देश की छवि को शर्मसार किया है। इसके विरोध में भाजपा महिला नोएडा महानगर के जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व और भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती शारदा चतुर्वेदी की अध्यक्षता में सबमाल, सेक्टर 27, नोएडा में प्रदर्शन किया गया। महिला कार्यकर्ताओं ने प्ले कार्ड द्वारा अपना विरोध दर्ज कराया और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी भी की। इस आयोजन में संगठन के मुख्य एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का भी विशेष सहयोग रहा। भारत में आयोजित एआई समिट देश की तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर कुछ लोगों द्वारा किया गया अशोभनीय व्यवहार अत्यंत निंदनीय एवं शर्मसार है। भाजपा महिला मोर्चा के साथ साथ मुख्य संगठन भी इसकी कड़ी निंदा करता है और इसे देश की छवि को नुकसान पहुँचाने वाला कृत्य मानती है। हमारे भारत देश के सम्मान और विकास के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ एवं अप्रशंसनीय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा महिला मोर्चा इस प्रकार की घटनाओं का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध भी करती रहेगी। निवर्तमान विधायक /उत्तर प्रदेश महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती बिमला बॉथम, प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख महिला मोर्चा सुचित्रा बैठक, जिला महा मंत्री, डिंपल आनंद,उमेश त्यागी, गणेश जाटव, महेश अवाना शिवानी शरद, मधु मेहरा, रेनू बाला शर्मा, सरिता सिंह, शारदा सिंघल, शारदा पुष्प, मंजू शर्मा, ऊषा किशोर, ममता सिंह,नीरज शर्मा, नरेश शर्मा, प्रदीप चौहान, मुक्तानंद शर्मा, सत्यनारायण महावर, लोकेश कश्यप, दीपक शर्मा, अमित नागपाल, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, अशोक मिश्रा एवं समस्त टीम के साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की इस कार्यक्रम में गरिमा मई उपस्थिति एवं सहभागिता रही।

अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस अधीक्षक रवि

कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की दिसम्बर व जनवरी माह की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में निस्तारित,लंबित व नए अभियोजन प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। गैंगेस्टर के लंबित मामलों को शीघ्रता से पैरवी करते हुए निस्तारित कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यायालयों में लंबित मामलों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराई जाए तथा समयबद्ध कार्रवाई की जाए, गंभीर प्रकरणों में गवाहों की उपस्थिति, समय पर साक्ष्य प्रस्तुत करने तथा केस डायरी की नियमित निगरानी की जाए। बैठक में गैंगेस्टर,पास्को,एससी/एसटी आदि से संबंधित गंभीर प्रकरणों पर विस्तार से समीक्षा की गयी। बैठक में अभियोजन कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और विभागवार लंबित प्रकरणों का विवरण साझा किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विशाल यादव, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, उप जिलाधिकारी विवेक राजपूत, डीजीसी क्रिमिनल अजय मौर्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

67 चालान के बावजूद दौड़ रही थी बस

लखनऊ में डबल डेकर बस पलटी,गिरने लगी खिड़की से लाशें,5 की मौत, 45 घायल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर लहराकर बस पलट गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, 45 लोग घायल हो गए। 28 घायलों को एसजीपीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। इनमें 7 बच्चे, 12 पुरुष और 9 महिलाएं शामिल हैं। सोमवार को हादसे के बाद के फोटो-वीडियो सामने आए। वीडियो में दिख रहा है कि क्रेन से बस को सीधा करते ही खिड़कियों से शव सड़क पर गिर गए। सड़क पर चारों ओर खून फैल गया। बस सीधी होने के बाद भी कुछ घायल और मृत यात्री खिड़कियों से लटके रहे। तस्वीरों में कई यात्रियों के हाथ-पैर शरीर से अलग दिखाई दे रहे हैं। एक छोटा-सा जूता खून से सना पड़ा मिला। बस लुधियाना (पंजाब) से मोतिहारी (बिहार) जा रही थी। हादसे के वक्त बस की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा बताई जा रही है। बस पलटते ही अफरा-तफरी मच गई। ड्राइवर और क्लीनर बस छोड़कर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। क्रेन की मदद से बस को सीधा कर टोल प्लाजा तक ले जाया गया। पुलिस ने

सफाईकर्मियों से सड़क पर लगे खून को साफ कराया। मरने वालों में बीरेंद्र (30), अंजलि (8), प्रियांशु (15) के अलावा एक 6 साल का बच्चा और 30 साल का एक युवक शामिल है। यात्रियों का कहना है कि ड्राइवर ने हादसे से करीब आधे घंटे पहले ढाबे पर शराब पी थी। वहीं, कुछ यात्रियों का कहना है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। ड्राइवर सोमपाल हरियाणा के पानीपत जिले के नौल्था का है। वह गिरफ्तार है। बस ड्राइवर ने पुलिस पूछताछ में बताया- ढाबे पर खाने के दौरान मैंने हल्की ड्रिंक (शराब पी) की थी। एक्सप्रेस-वे पर अचानक ब्रेकर आ गया। इस वजह से ब्रेक मारा। सवारी अधिक होने के कारण बस बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हालांकि, ड्राइवर ने सही बयान नहीं दिया है, क्योंकि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां कोई ब्रेकर है ही नहीं।वहीं, एक प्रत्यक्षदर्शी अंश पटेल के अनुसार- बस सांप की तरह लहरा रही थी। फिर अचानक पलट गई। हादसा होते ही चीख-पुकार मच गई। हम लोग भागकर मौके पर पहुंचे।नियमों के अनुसार लंबी दूरी की बसों में दो ड्राइवर होना अनिवार्य है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

दुग्ध उत्पादक किसानों ने जिलाधिकारी को सौंपा मांग-पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अधिवक्ता विश्वास द्विवेदी के नेतृत्व में पी.सी.डी.एफ.

कोआपरेटिव फेडरेशन दुग्ध संघ रायबरेली (पराग डेरी) के दुग्ध उत्पादक किसानों ने वित्तीय वर्ष वर्ष 2022-23 एवं वर्तमान 2025-26 के नये भुगतान लगभग 1 करोड़ रूपये दिये जाने के बाबत एक मांग-पत्र उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित जिलाधिकारी हर्षिता माथुर को सौंपा। दिये गये मांग-पत्र में दुग्ध उत्पादक किसानों ने अपनी व्यथा प्रकट करते हुए कहा कि दुग्ध संघ के अन्तर्गत संचालित दुग्ध अवशीतलन केन्द्र (बी.एम.सी.) कीरतपुर चरूहार, हसनापुर व चकबल्लीहार से हजारों किसान जुड़े हुए हैं, जिनकी आजीविका का एकात्र आधार यही दुग्ध व्यवसाय ही है। दुग्ध व्यवसाइयों ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि इन केन्द्रों से सम्बद्ध लाखों का वित्तीय वर्ष 2022-23 का पुराना बकाया एवं वर्तमान वर्ष 2025-26 का नया भुगतान, दोनों मिलाकर कुल लगभग एक करोड़ रूपये विभाग द्वारा लम्बित रखा गया है। भुगतान न होने की दशा में हमारे समक्ष गहरा आर्थिक संकट व्यापत है, लगभग एक करोड़ की भरी राशि होने से हजारों किसान परिवारों के समक्ष बच्चों पढ़ाई, पशुओं के चारे और दैनिक खर्चो का गम्भीर संकट खड़ा हो गया है। भुगतान न होने से उत्पादकों और समिति सचिवों के बीच आए दिन विवाद हो रहे हैं, जिससे क्षेत्र की शांति भंग होने की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। जिलाधिकारी ने दुग्ध उत्पादक व्यवसाइयों की समस्या को सुना एवं अविलम्ब कार्यवाही किये जाने एवं सम्बन्धित को ज्ञापन पहुँचाने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर मुख्य रूप से आनन्द दीक्षित एडवोकेट, बीमसी सचिव रमेश कुमार, रामानुज, सतीश यादव, विकास कुमार, आशुतोष पाल, अरविन्द चौधरी एडवोकेट, लोधवारी सचिव, केशन तिवारी आदि किसान उपस्थित रहे।

संत गाडगे महराज सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत थे- कमलेश चौधरी

अखिल भारतीय धोबी महासंघ के तत्वाधान में मनायी गयी 150वीं जयन्ती,सत गाडगे ने कई लोक कल्याणकारी संस्थाओं की स्थापना की थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय धोबी महासंघ के तत्वाधान में लोकहितवादी लोक कल्याणकारी निष्काम कर्मयोगी संत गाडगे महराज की 150वीं जयन्ती जिलाधिकारी निवास के पास स्थापित गाडगे महराज की मूर्ति परिसर क्षेत्र में मनायी गयी। इस अवसर पर महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश चौधरी ने कहा कि गाडगे महराज

सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत थे। श्री चौधरी ने कहा कि महराज अपढ़ होते हुए भी शिक्षा के महत्व को बखूबी जानते थे, उनका मानना था कि निरक्षरता अन्याय की जन्मदात्री है। प्रान्तीय व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करके ही हम उनके मिशन को आगे बढ़ा सकते हैं। संस्थान के महासचिव कैलाश कनौजिया ने कहा कि हम सभी को उनके दिखाये रास्ते पर चलकर समाज का उत्थान करना है। वरिष्ठ समाजसेवी राजेन्द्र चौधरी ने कहा भिखारी, अपंग, पागल लोगों की बढ़ती संख्या से महराज चिंतित रहते थे, आज हम सभी को इस कुव्यवस्था को दूर करने की आवश्यकता है। कांग्रेस नेता राजेश यादव ने कहा कि वे स्वच्छता अभियान के जनक थे। कर्मचारी नेता अनूप मिश्रा ने कहा कि हमें अपने महापुरूषों से प्रेरणा लेनी चाहिए। बहुजन चिंतक रोहित चौधरी ने कहा कि हमें मानवता के लिए कार्य करना चाहिए। समाजसेवी श्रीराम ने कहा कि शिक्षा में कभी लिंग भेद नहीं करना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता घनश्याम निर्मल ने कहा कि दलित पिछड़े समाज को उत्थान के लिए शिक्षा का मार्ग अपनाना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से रूपचन्द्र यादव, मदनलाल, गंगा प्रसाद, गंगा किसन, मंशाराम, रामसरन, रामनरेश चौधरी, सुरेश निर्मल, राजेश कुरील, विश्वदलित सबरा, गुड्डू कनौजिया, अविनीश चौधरी, सत्य नरायन निर्मल, शशिान्ति एडवोकेट, जग प्रसाद, राम औतार, दुर्गेश कुमार, सुखमीलाल, राजाराम, आशाराम, अमरजीत, महराजदीन राजवंशी, अजीत कनौजिया, अशोक कुमार सिंह, श्रीकानत कनौलिया, सतीश कुमार, राम किसुन निर्मल, अमर कनौजिया, अशोक कुमार निर्मल, दिलीप निर्मल, मान सिंह, राम प्रसाद आर्य, रत्नेश चौधरी आदि लोगों ने संत गाडगे महराज की मूर्ति पर माला-फूल अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

भंगेल सलारपुर के पीछे नाले की पुलिया का हुआ शिलान्यास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भंगेल-सालारपुर के पीछे नाले पर मौजूद दो पुरानी पुलियाँ (पुल) वाकई जर्जर हालत में हैं। ये संकरी, टूटी-फूटी और दुर्घटना का खतरा पैदा करती हैं, खासकर भारी ट्रैफिक और रोज़ाना हजारों लोगों (मजदूरों, लोकल निवासियों) के आने-जाने के कारण। नाले की दूसरी तरफ बहुत सारे उद्योग है, NSEZ क्षेत्र है जहां पर रोज लाखों मजदूर कामगार (पुरुष/ महिलायें) रोजगार के लिए जाते हैं वह सभी लोग सलारपुर भंगेल की कॉलोनी में आकर के अपना जीवन यापन करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंकज सिंह (विधायक, नोएडा) ने शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है तथा जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। पंकज सिंह ने कहा कि नया पुल/पुलियाँ बनने से मुख्य फायदे ये होंगे:ट्रैफिक जाम में बड़ी राहतः पुरानी पुलियाँ संकरी होने से गाड़ियाँ, ऑटो, ई-रिक्शा और पैदल चलने वालों में बोतलनेक (बॉटलनेक) बन जाता है। नए पुल चौड़े (रिपोर्ट्स

के अनुसार करीब 11.50 मीटर चौड़े और 33 मीटर लंबे) होंगे, जिससे दो तरफ से आसानी से आवागमन होगा। इससे भंगेल, सलारपुर, इलाकों में रोज़ाना का जाम काफी कम होगा। सुरक्षा बढ़ेगीः जर्जर पुल से गिरने या टूटने का डर रहता है, खासकर बारिश में। नए पुल मजबूत आरसीसी स्ट्रक्चर के होंगे, जो लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगे और दुर्घटनाओं को रोकेंगे। नोएडा अथॉरिटी ने इस प्रोजेक्ट को 9.92 करोड़ रुपये मंजूर किए थे, और ये नाले पर दो नए पुलों के लिए है। जिससे इलाके के करीब 5 लाख लोगों को फायदा मिलेगा। पुरानी पुलियों को रिप्लेस या स्ट्रेंग्थन करके इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण एवं सिंचाई विभाग से एसीईओ सतीश पाल, क्रांति शेखर, ए.के. अरोड़ा, इंदु प्रकाश, एस.पी. सिंह, मुकेश कुमार, देवेश शर्मा, विजय गुप्ता, राकेश भाटी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं बारात घर निर्माण, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था, सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से मुख्य अतिथि नोएडा विधायक पंकज सिंह जी कहां की किसी भी गांव में कोई भी विकास कार्यों की कमी नहीं आने दी जाएगी नोएडा प्राधिकरण अगले 6 7 माह में सभी गांव में विकास कार्यों को बहुत संवेदनशीलता के साथ मूलभूत सड़क सीवर पानी बिजली की समस्याओं को त्वरितरूप से समाधान करने के लिए काम करेगी। वहां पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महेश चौहान, विनोद त्यागी, संजय बाली, अमित त्यागी, सुखबीर प्रधान, मनोज त्यागी, सहदेव गुरुजी, नम्बरदार मेहरचंद त्यागी, राकेश राघव, सिंहराज गुर्जर, गजेंद्र रेक्सवाल, विपुल शर्मा, नीरज चौधरी, गौतम शर्मा, रविंदर कुमार, रामनिवास यादव, राहुल शर्मा, सचिन भाटी, दिनेश त्यागी, गजराज भाटी सुशील अवाना सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे। भंगेल सलारपुर पुल निर्माण कार्य को क्षेत्र के विकास एवं सुगम यातायात व्यवस्था की दिशा में ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

आईएमएस नोएडा में बीबीए हाट का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में प्रबंधन शिक्षा को व्यवहारिक अनुभव से जोड़ने की दिशा में बीबीए

विभाग द्वारा बीबीए हाट का आयोजन किया गया। सेक्टर-62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 40 स्टॉल लगाए। मंगलवार को बीबीए हाट के माध्यम से छात्रों ने अपनी उद्यमिता क्षमता, रचनात्मकता और प्रबंधन कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में खान-पान, श्रृंगार सामग्री, गीत-संगीत, मनोरंजक खेलों तथा कबाड़ से गृह सज्जा जैसे अभिनव उत्पादों और सेवाओं के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे। छात्रों के प्रयास की सराहना करते हुए आईएमएस नोएडा के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक अनुभव भी उतना ही आवश्यक है। बीबीए हाट विद्यार्थियों को वास्तविक बाजार की परिस्थितियों को समझने, ग्राहक व्यवहार का विश्लेषण करने तथा वित्तीय प्रबंधन की बारीकियों को सीखने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन, सलाहकार प्रोफेसर (डॉ.) जे.के. शर्मा, डीन प्रोफेसर (डॉ.) नीलम सक्सेना तथा बीबीए विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार सहित अन्य संकाय सदस्यों ने स्टॉलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से छात्रों में नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क, वित्तीय प्रबंधन एवं संवाद कौशल का विकास होता है, जो उनके भविष्य के करियर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रोफेसर (डॉ.) जे.के. शर्मा ने कहा कि आज का कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को सशक्त मंच प्रदान करता हैं। मुझे अत्यंत खुशी है कि विद्यार्थियों ने इस आयोजन के माध्यम से न केवल अपने प्रबंधन कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, बल्कि टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की भावना को भी साकार रूप दिया। प्रोफेसर (डॉ.) नीलम सक्सेना ने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक बाजार परिवेश का अनुभव प्रदान करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर एवं नवाचारी बनने के लिए प्रेरित करना था। बीबीए हाट ने न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि संस्थान में उत्सव एवं सहभागिता का वातावरण भी निर्मित किया। डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि आज के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को मार्केटिंग स्किल एवं व्यापार के तौर तरीके को रचनात्मक तरीके से पेश करने की कला से रूबरू कराया गया। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा आयोजित बीबीए हाट का सफल संचालन संस्थान के फैकल्टी प्रो. यतिका रस्तोगी एवं प्रो. रचना गुप्ता के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुआ।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के नोएडा सेंटर का हुआ उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के नोएडा सेंटर का मंगलवार

को श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल (राष्टीय प्रवक्ता भाजपा) के द्वारा उद्घाटन किया गया। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और अच् आर सॉफ्टवेयर के संयुक्त प्रयासों से इस सेंटर की स्थापना नोएडा सेक्टर 58 में की गई है। इसके माध्यम से ना केवल सैकड़ो युवाओ के कौशल को बढ़ावा दिया जायेगा बल्कि उनको रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्टीय प्रवक्ता श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल जी मौजूद रहे। उन्होंने कहा की इस प्रकार के सेंटर के माध्यम से मान्य प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 2047 में विकसित भारत बनने का सपना साकार होगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल (राष्टीय प्रवक्ता भाजपा),श्री रवि प्रजापति जी , श्री पुनीत अग्रवाल, श्री हिदायत अली, निखिल कुमार (संयोजक भाजपा गाज़ियाबाद), सौरभ शर्मा, वारिस खान , नसीम , आशीष , राज कश्यप अनेक लोग मौजूद रहे।

बकायेदारों की भूमि की नीलामी 20 मार्च को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण

को सूचित किया जाता है कि बैंक/ न्यायालय देय की बकायेदार गणेश सिंह पुत्र छत्रपाल सिंह निवासी कल्यानपुर रैली, आई0वी0एस0 सप्लायर ए03 कंस्ट्रक्शन मीना सिंह पत्नी रणविजय सिंह व इंद्रेश सिंह निवासी पुरे मेदनी लाल मजरे कण्डौरा, श्री छेदी पुत्र विष्णु प्रसाद निवासी मजरे मरदानपुर, नंद किशोर पुत्र स्व0 रामबली निवासी उमरपुर गेरुखुवा, मेसर्स यस ऑटोमोबाइल्स प्रा0लि0 प्रो0 नीरज गुप्ता निवासी सुल्तानपुर रोड, मिथिलेश कुमारी सिंह पत्नी गणेश सिंह निवासी ग्राम शिवलहा मजरे कृष्णापुर ताला, गुड्डा देवी पत्नी चतुरी निवासी कल्यानपुर रैली, राजेश्वरी मीनू सिंह पत्नी कमलेश कुमार सिंह पुत्र रवींद्र नाथ सिंह व कमलेश कुमार सिंह निवासी लालूपुर चौहान, मो0 अहमद कुरैशी पुत्र स्व0 जान मोहम्मद निवासी उत्तारपारा (बेलाभेला), मनोज कुमार पासी पुत्र गुरु चरन निवासी कोन्सा, नौशाद पुत्र वशीर अहमद निवासी रसेहता एवं परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 20 मार्च 2026 को समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 50 किग्रा लहन नष्ट, 02 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के

आदेशानुसार, अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के

विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-05 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी।आबकारी टीम द्वारा तहसील डलमऊ के थाना गदागंज पुलिस के साथ ग्राम पम्पापुर में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 50 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर कुल 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

वरिष्ठ जनों के विधिक अधिकार विषय पर जागरूकता शिविर सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार व जिला विधिक

सेवा प्राधिकरण,रायबरेली के तत्वाधान में वृद्धजन आवास (वृद्धाश्रम), आई0टी0आई0 कैम्पस दूरभाष नगर, रायबरेली में आवासित वृद्धजनों के देख-रेख, खानपान, रहन-सहन आदि हितों से सम्बन्धित मामलों के सम्बन्ध में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अमोद कंठ द्वारा वृद्धजन आवास का निरीक्षण किया गया। सचिव द्वारा अधीक्षक वृद्धाश्रम से आवासित वृद्धों की देखभाल व खान-पान के सम्बन्ध में चर्चा की। निरीक्षण उपरांत वृद्धजनों के विधिक अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सचिव अमोद कंठ के द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को यह बताया गया कि कैसे आप अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहे। इस अवसर पर वृद्धाजनों को उनके निःशुल्क अधिकारों के विषय पर जानकारी दी गयी एवं बताया गया कि किसी भी प्रकार की निःशुल्क विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के कार्यालय में किसी कार्यदिवस में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज कराकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस शिविर में वृद्धजनों को वृद्धा पेंशन, आधार कार्ड व आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा अधीक्षक वृद्धाश्रम धनंजय सिंह को वृद्धजनों के उक्त कार्डों को अद्यतन किये जाने व बनवाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के चुनाव में अध्यक्ष पद पर 1 सहित 9 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र लिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन (डीबीए) के निर्वाचन सत्र 2025-26 के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई। पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए 1 सहित कुल 9 प्रत्याशियों ने विभिन्न पदों के लिए नामांकन पत्र लिया। इससे चुनाव प्रक्रिया में बहुत तेजी आ गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए सत्यप्रकाश सिंह एड ने पर्चा लिया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए बिंदु यादव एड ने नामांकन पत्र लिया है। महामंत्री पद के लिए राजेंद्र कुमार यादव और उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर के लिए चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट, 10 वर्ष से नीचे के लिए आशुतोष देव पांडेय पद के लिए नामांकन पत्र लिया है। कार्यकारिणी सदस्य कनिष्ठ के लिए चंद्रकला गिरी एडवोकेट, सुमन एडवोकेट, मार्तंड प्रताप सिंह एडवोकेट एवं रमन कुमार ने नामांकन पत्र लिया है।

नामांकन पत्र विक्रय की अंतिम तिथि 24 फरवरी 2026 निर्धारित है। प्रत्याशी 24 फरवरी को अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। चुनाव में सहयोग में प्रदीप कुमार मौर्य एड, पवन कुमार सिंह एड, चंद्रप्रकाश सिंह एड व शांति वर्मा एवं सहायक चुनाव अधिकारी सुरेश सिंह कुशवाहा व राजकुमार सिंह पटेल उपस्थित रहे।

ऑपरेशन खोज' के तहत 9 वर्षीय गुमशुदा बालिका को परिजनों से मिलाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन उ0प्र0 लखनऊ द्वारा संचालित 'ऑपरेशन खोज' अभियान के अंतर्गत गुमशुदा बालक/बालिकाओं की खोजबीन हेतु निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। थाना बीजपुर एवं चाइल्ड लाइन टीम द्वारा पिछले 22.02 को एक गुमशुदा नाबालिग बालिका, जो अपना नाम व पता बताने में असमर्थ थी, को सुरक्षित संरक्षण में लेकर बालिका गृह रॉबर्ट्सगंज में आवासित कराया गया था। गुमशुदा बालिका की पहचान स्थापित करने एवं उसके परिजनों की खोज हेतु थाना ए.एच.टी. टीम द्वारा त्वरित एवं समन्वित प्रयास किए गए। प्रभारी निरीक्षक माधव सिंह के नेतृत्व में टीम द्वारा बालिका से संवेदनशीलतापूर्वक संवाद स्थापित किया गया। चिकित्सा विभाग की काउंसलर शिवांगी मिश्रा (पीएचसी केकराही) एवं मीना सोनकर (जिला अस्पताल सोनभद्र) द्वारा बालिका की काउंसलिंग कराई गई, जिसके उपरांत बालिका ने अपना नाम अंशु पुत्री बाबूलाल बताया। तत्पश्चात जनपद सोनभद्र एवं मीरजापुर में संपर्क स्थापित कर विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया गया। गहन खोजबीन के बाद बालिका की पहचान अंशु यादव पुत्री बाबूलाल यादव निवासी रेनूकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई। आवश्यक विधिक औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए 9 वर्षीय बालिका को सकुशल उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। बालिका को सुरक्षित पाकर परिजनों ने थाना ए.एच.टी. टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। बरामदगी/खोज करने वाली टीम का विवरण- प्रभारी निरीक्षक - माधव सिंह, थाना ए.एच.टी., जनपद सोनभद्र मुख्य आरक्षी - धनंजय यादव, थाना ए.एच.टी. महिला आरक्षी - शालिनी वैश्य, थाना ए.एच.टी. आरक्षी - अनुराग शुक्ला, एस.जे.पी.यू. टीम जनसहयोग हेतु अपील- यदि किसी को कोई लापता/गुमशुदा/भटका हुआ बालक या बालिका मिले तो तत्काल थाना ए.एच.टी. के सीयूजी मोबाइल नंबर 9454404294 अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर सूचना दें। हर बच्चा सुरक्षित - यही हमारी प्रतिबद्धता

डिस्ट्रिक्ट बार एसो. सोनभद्र का चुनाव प्रक्रिया निरस्त

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के वर्ष 2025-2026 के चुनाव की प्रक्रिया को एल्डर कमेटी अध्यक्ष श्री नाथ सिंह एडवोकेट ने मंगलवार को निरस्त कर दिया है। यह निर्णय उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के मॉडर्न बाइलॉज के अनुसार बाद में चुनाव कराने के निर्देश के साथ लिया गया है। एल्डर कमेटी अध्यक्ष श्री नाथ सिंह ने मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट को चुनाव प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव बाद में यूपी बार काउंसिल के आधुनिक नियमों के तहत आयोजित किए जाएंगे। सहायक चुनाव अधिकारी सुरेश सिंह कुशवाहा एडवोकेट और राजकुमार सिंह एडवोकेट ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम 23 फरवरी 2026 से 9 मार्च 2026 तक निर्धारित था। हालांकि, मतदाता सूची में अधिवक्ताओं के पते न होने पर आपत्ति जताई गई थी। अधिवक्ताओं ने प्रचार-प्रसार में सुविधा के लिए मतदाता सूची में पते शामिल करने की सलाह दी थी। इसके अतिरिक्त, चुनाव प्रक्रिया उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के मॉडर्न बाइलॉज के नियमानुसार नहीं थी। इन कारणों के चलते एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव एडवोकेट को समस्त चुनाव प्रक्रिया निरस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को दुरुस्त करने के बाद चुनाव की नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। इस संबंध में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और उपजिलाधिकारी सदर को भी सूचित कर दिया गया है।

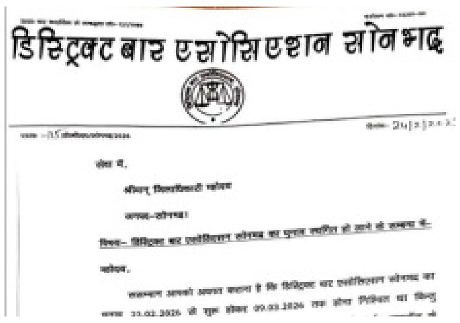
डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र

राज्यपाल के सम्भावित कार्यक्रम को डीएम व एसपी ने तैयारियों का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जनपद में संभावित कार्यक्रमों के दृष्टिगत कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर जिलाधिकारी बी.एन. सिंह व पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने पुलिस लाइन हेलीपैड स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हेलीपैड की लैंडिंग साइट और आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह सुव्यवस्थित रखा जाए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पूरे परिसर का अवलोकन किया और पुलिस लाइन में सुरक्षा घेरे को अभेद्य बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट व विकास भवन में प्रस्तावित कार्यक्रमों के दृष्टिगत वहां की व्यवस्थाओं, बैठक कक्षों और परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पहले सुनिश्चित कर ली जाएं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और समय सीमा के भीतर सभी शेष कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अधिकारी शैलेश ठाकुर, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, डी0सी0 मनरेगा रविन्द्र वीर सिंह सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

घोरावल नगर पंचायत का संपर्क मार्ग ही खस्ता हालत में,आने जाने में हो रही दिक्कत

सोनभद्र। जनपद के घोरावल नगर पंचायत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे स्थित वार्ड नंबर 2 का संपर्क मार्ग अत्यधिक जर्जर हो गया है। शिवद्वार-घोरावल मुख्य मार्ग से सटा यह लगभग 500 मीटर लंबा मार्ग गहरे गड्ढों में बदल गया है। इस जर्जर सड़क के कारण स्कूली छात्रों, राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। घोरावल नगर पंचायत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दक्षिण में स्थित यह मार्ग कई स्थानों पर बड़े गड्ढों के कारण चलने लायक नहीं रह गया है। प्रतिदिन सैकड़ों स्कूली बच्चे और स्थानीय निवासी इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। स्थानीय रहवासियों ने इस समस्या को लेकर कई बार नगर पंचायत से शिकायत की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। कैलाश प्रसाद, राजेश कुमार, महेश, जोखन, शंकर, रामलाल और लक्ष्मण प्रसाद सहित अन्य निवासियों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने तत्काल मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की है ताकि आवागमन सुचारु हो सके। इस संबंध में नगर पंचायत के वार्ड नंबर 2 की सभासद श्रीमती अमरावती ने बताया कि सीसी रोड के निर्माण हेतु नगर पंचायत बोर्ड को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मंजूरी मिलते ही सीसी रोड का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

'हारे के सहारे' के जयकारे से गूंजा रामलीला मैदान खाटू श्याम उत्पत्ति की कथा का हुआ जीवंत मंचन

श्रीकृष्ण रासलीला के 9वें दिन खाटू श्याम उत्पत्ति की कथा का जीवंत मंचन किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। नगर के ऐतिहासिक श्री रामलीला मैदान में चल रही 11 दिवसीय श्रीकृष्ण रासलीला अपने चरम पर है। कार्यक्रम के 9वें दिन खाटू श्याम (बर्बरीक) की उत्पत्ति और उनके बलिदान की गाथा का मंचन किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने दिखाया कि कैसे भीम के पौत्र बर्बरीक ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना शीश दान कर 'शीश के दानी' कहलाए। कलाकारों ने बर्बरीक द्वारा हारने वाले का साथ देने के संकल्प को बड़ी कुशलता से पेश किया। जब श्रीकृष्ण ने ब्राह्मण वेश में बर्बरीक से उनका शीश मांगा, तो पांडाल में सन्नाटा पसर गया। बर्बरीक के आत्मोत्सर्ग के दृश्य ने दर्शकों की आँखें नम कर दीं। अंत में श्रीकृष्ण द्वारा बर्बरीक को कलयुग में अपने नाम 'श्याम' से पूजे जाने का वरदान देने के साथ लीला का समापन हुआ। आरती के पश्चात बाबा श्याम को चढ़ाए गए छप्पन भोग का प्रसाद भक्तों के बीच वितरण किया गया। इस दौरान 'जय श्री श्याम' और 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान रहा। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह, रामप्रसाद यादव, पवन जैन, आशीष अग्रवाल, राकेश कुमार गुप्ता,राजेश सोनी,सरजू प्रसाद,धर्मेश सिंह खरवार,विजय कानोड़िया,सुनील सिंह,अमरपाल गिरी,विमल जैन,नवीन अग्रवाल,चंद्रभूषण पांडेय,अमित जैन, सिल्लु अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ब्लॉक दुद्धी में समाजवादी पार्टी की बैठक में एस आई आर पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। मंगलवार को समाजवादी पार्टी जनपद सोनभद्र की विधानसभा-403-दुद्धी के ब्लॉक दुद्धी में बैठक की गई और एस आई आर पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि आज हम लोगों की जिम्मेदारी है कि गांव गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों को बताने का काम करें और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कमर कसले और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प ले। बैठक में मुख्य रूप से निरेंद्र प्रताप सिंह गौड़ विधानसभा अध्यक्ष अवध नारायण यादव जुबेर आलम उमेश पाल चौधरी यशवंत सिंह पटेल एवं विधानसभा के पदाधिकारी जोनल एवं सेक्टर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में समाजवादी पार्टी की नीतियों और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई।

कफ सीरप के तस्कर शुभम समेत तीन के घर कुर्की की कार्रवाई का नोटिस चस्पा

सोनभद्र। कोडिनयुक्त कफ सीरप की तस्करी के आरोप में फरार वाराणसी के प्रह्लाद घाट कायस्थ टोला थाना आदमपुर निवासी शुभम जायसवाल, गोला दीनानाथ कबीरचौरा निवासी विजय गुप्ता व भदोही के चांदनी चौक नई बाजार निवासी निशांत कुमार गुप्ता के घर सोनभद्र के थाना राबर्ट्सगंज की पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई के लिए मंगलवार को नोटिस चस्पा किया है। इसके साथ ही उनके घर के आसपास के क्षेत्रों में डुगडुगी बजवाकर मुनादी कराई है। तीनों आरोपितों को 27 फरवरी तक न्यायालय में हाजिर होने का समय दिया है। निर्धारित तिथि पर उनके हाजिर न होने पर उनकी संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी है। पुलिस ने यह कार्रवाई पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में किया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि कफ सीरप की तस्करी के मामले में थाना राबर्ट्सगंज पर मुकदमा दर्ज है।इससे संबंधित प्रकरण में मुख्य आरोपित शुभम जायसवाल, उसके सहयोगी निशांत कुमार गुप्ता उर्फ रवि गुप्ता और विजय गुप्ता फरार चल रहे हैं। न्यायालय ने उनके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई के लिए नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। इसके तहत मंगलवार को राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपितों के आवासों पर पर्याप्त पुलिस बल की उपस्थिति में नोटिस चस्पा किया है। वहां मुनादी कराया गया है। आरोपितों को नियत तिथि 27 फरवरी तक न्यायालय, पुलिस के समक्ष उपस्थित होने के लिए निर्देश दिया गया है।

अटल एवं अभ्युदय योजना के तहत विभिन्न रोगों कि जांच एवं आपरेशन कराए जाएंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला समाज कल्याण ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के जरिए अटल वयो अभ्युदय योजना संचालित है। इसी योजना की उप योजना के जरिए वरिष्ठ नागरिकों के मोतिया बिंदु आपरेशन, वृद्धावस्था जनित रोगो की जांच (विशेष रूप से डिमेंशिया स्क्रीनिंग और गैर-संचारी रोगों की जांच तथा दवा वितरण एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए योगा व आध्यात्मिक ध्यान भी समाज कल्याण विभाग कराएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद स्तर पर 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक, जिसमें बीपीएल कार्ड धारक अन्योदय कार्ड धारक, निराश्रित और वृद्धाश्रम में रहने वाले वरिष्ठ नागरिक शामिल है इनका मोतियाबिंद आपरेशन भी कराया जाएगा।

उक्त कार्य हेतु जनपद के यदि कोई भी एन0जी0ओ0 कार्य हेतु इच्छुक हो तो आवेदन हेतु जिला समाज कल्याण कार्यालय सोनभद्र में सम्पर्क करें।

जनपद में हुआ 'हमारे आंगन हमारे बच्चे' उत्सव,प्री-प्राइमरी शिक्षा पर जोर दिया

सोनभद्र। जिले के चतरा ब्लॉक स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र के प्रांगण में 'हमारे आंगन हमारे बच्चे' उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विकासखंड के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, बच्चे, मॉडल शिक्षक, संकुल शिक्षा अधिकारी, समस्त एआरपी तथा अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीपीओ रविंद्र प्रकाश गिरी ने की, जबकि खंड शिक्षा अधिकारी श्री अशोक कुमार सिंह भी मौजूद रहे।उत्सव का मुख्य उद्देश्य जन समुदाय को 'निपुण भारत' की अवधारणा और बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा प्री-प्राइमरी शिक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों से अवगत कराना था। इसका लक्ष्य प्रदेश को 'निपुण प्रदेश' बनाने में जन भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के लिए उपलब्ध कराए गए बाल मैट्रिक फर्नीचर, आउटडोर प्ले मटेरियल और बाल फीचर से सुसज्जित बाल वाटिकाओं की जानकारी दी गई। साथ ही, 3 से 6 आयु वर्ग के बच्चों को सीखने-सिखाने में माता-पिता की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों और बाल वाटिकाओं में बच्चों के नामांकन तथा उनकी नियमित उपस्थिति की आवश्यकता पर जोर दिया गया।इस अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों ने मनोहारी प्रस्तुतियां दीं, जिनकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए।

40 करोड़ की लागत से मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग होगा मजबूत

प्रयागराज। लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा भेजे गए 40 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिल गई है। मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग मरम्मत के लिए 40 करोड़ मंजूर। 36 किलोमीटर सड़क का टेंडर प्रक्रियाधीन, कार्य जल्द। खराब सड़क से यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत। मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग का जल्द ही मरम्मत शुरू होगा। इसके लिए 40 करोड़ का प्रस्ताव बनाकर लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर से शासन को भेजा गया था। जिस पर मंजूरी मिल चुकी है। इससे मीरजापुर से प्रयागराज जाने वाले राहगीरों को काफी सुविधा मिलेगी। मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग पर प्रतिदिन दो लाख से अधिक छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क क्षतिग्रस्त होने से इस पर चलना मुश्किल हो रहा है। थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगभग 20 से अधिक स्थानों पर सड़क पूरी तरह से टूट चुकी है। इससे हादसा होने का अंदेशा बना रहता है।लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर से सड़क की मरम्मत कराने के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया था। इस पर शासन ने मंजूरी प्रदान कर दी है। मीरजापुर का संबंधित विभाग नगर के बथुआ से लेकर जिगना के पाली गांव तक सड़क मरम्मत कराने का कार्य करेगा। उसके आगे की सड़क को प्रयागराज विभाग बनाएगा। मीरजापुर क्षेत्र के 36 किलोमीटर लंबी सड़क की मरम्मत के लिए टेंडर की प्रकिया पूरी की जा रही है। जल्द ही इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह सड़क दो लेने की है। इसको फोरलेन करने की कवायद चल रही है। इससे मीरजापुर से प्रयागराज जाने वाले राहगीरों को काफी सुविधा मिलेगी। मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग पर प्रतिदिन दो लाख से अधिक छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं।

टी-20 वर्ल्डकप

मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड बना,हेटमायर ने 108 मीटर का सिक्स लगाया

नयी दिल्ली। वर्ल्ड कप के चौथे सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज ने सोमवार को जिम्बाब्वे पर 107 रन की जीत दर्ज की। मुंबई के वनखड़े स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन बनाए। 255 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे 17.4 ओवर में 147 रन पर ऑलआउट हो गई। 19 बॉल पर फिफ्टी लगाने वाले शिमरोन हेटमायर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। इस मैच में 10 रिकॉर्ड और रोचक मोमेंट्स देखने को मिले।इस मैच में कुल 31 छक्के लगे। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड है। पिछला रिकॉर्ड 30 सिक्स का था। जो 2014 में आयरलैंड और नीदरलैंड के मैच में बना था। यह मैच सिलहट में खेला गया था।जिम्बाब्वे के खिलाफ शिमरोन हेटमायर ने 19 गेंद पर फिफ्टी लगाई। यह टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज की ओर से सबसे तेज फिफ्टी है। वे इसी एडीशन में स्कॉटलैंड के खिलाफ ईडन गार्डन्स में 22 गेंदों पर फिफ्टी बना चुके हैं। हेटमायर से पहले यह रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। गेल ने 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोलंबो में 23 बॉल पर अर्धशतक लगाया था।जिम्बाब्वे के ब्रैडली इवांस और रिचर्ड नगारवा ने इस मैच में आखिरी विकेट के लिए 19 बॉल पर 44 रन की साझेदारी की। यह टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 10वें विकेट के लिए अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। पिछला रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती और शेरफन रदरफोर्ड के नाम था। इन

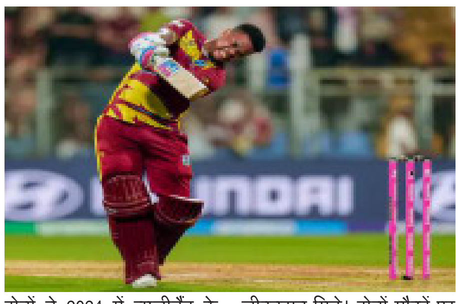

दोनों ने 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 37 रनों की नाबाद साझेदारी की थी।जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट 5 रन बनाकर आउट हुए। वे इस टूर्नामेंट में पहली बार आउट हुए हैं। वे पिछले 4 मैचों में नाबाद रहे थे। उन्होंने आउट होने से पहले इस एडीशन में नाबाद रहते हुए 180 रन बनाए। वे बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। यह रिकॉर्ड नीदरलैंड के टॉम कूपर के नाम था, जिन्होंने 2014 में बिना आउट हुए 111 रन बनाए थे।जिम्बाब्वे के खिलाफ शिमरोन हेटमायर ने 7 छक्के लगाए। वह इस टी-20 वर्ल्ड कप में अब तक 17 छक्के लगा चुके हैं। हेटमायर एक एडिशन में सबसे ज्यादा छक्कों के रिकॉर्ड की बराबरी है। इससे पहले वेस्टइंडीज के ही निकोलस पूरन ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप 17 छक्के लगाए थे।मैच के टॉप स्कोर शिमरोन हेटमायर को दो जीवनदान मिले। दोनों मौकों पर वे कैच आउट होने से बच गए। चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर ताशिंगा मुसेकिवा ने हेटमायर का आसान कैच छोड़ दिया। यहां हेटमायर 9 रन बनाकर खेल रहे थे। ब्लेसिंग मुजरबानी ने शॉर्ट लेंथ डाली, जिसपर हेटमायर ने पुल शॉट खेला, लेकिन गेंद बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर खड़े मुसेकिवा के पास गई, लेकिन उन्होंने कैच छोड़ दिया।12वें ओवर की दूसरी बॉल पर हेटमायर को दूसरा जीवनदान मिला। इस बार भी ताशिंगा मुसेकिवा ने कैच ड्रॉप किया। वे डीप मिडविकेट पर बॉल को पकड़ नहीं सके। ब्रैड इवांस की स्लोअर बॉल पर हेटमायर बड़ा शॉर्ट खेलना चाहते थे। यहां वे 70 रन पर खेल रहे थे।10वें ओवर की पहली गेंद पर शिमरोन हेटमायर ने 108 मीटर का छक्का लगाया। उन्होंने सिकंदर रजा की शॉर्ट लेंथ की बॉल को पुल करते हुए मिडविकेट बाउंड्री के बाहर पहुंचाया। इस छक्के के साथ हेटमायर ने रोवमन पॉवेल के साथ तीसरे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप भी कर की।विंडीज की पारी के 13वें ओवर में रोवमन पॉवेल ने डायोन मायर्स की बॉल पर 106 मीटर का छक्का लगाया। जो वानखेड़े स्टेडियम के सेकेंड टियर तक पहुंच गया। मायर्स ने ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ की बॉल डाली, जोकि पॉवेल के हिटिंग रेंज में थी। इसे पॉवेल ने लॉन्ग ऑफ बाउंड्री के बाहर पहुंचाया। कैरेबियाई पारी के 16वें ओवर में रोवमन पॉवेल का शॉर्ट गेंदबाजी कर रहे सिकंदर रजा के बाएं हाथ पर लगा। रजा दर्द से कराह उठे। ऐसे में कुछ देर के लिए खेल रोका गया। इस बीच बल्लेबाजी कर रहे पॉवेल उनके पास आए और पीठ थपथपाते हुए उनका हाल जाना और उन्हें गले लगाया और माथे पर किस भी किया।जिम्बाब्वे की पारी में अकिल हुसैन ने डबल विकेट के साथ मेडन ओवर डाला। उन्होंने पहली बॉल पर ब्रायन बेनेट (5 रन) को बोल्ड कर दिया। बेनेट पिछले 5 मैचों में पहली बार आउट हुए। चौथी बॉल रायन बर्ल को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच कराया। रायन अपना खाता भी नहीं खोल सके। अकिल हुसैन ने इस ओवर की आखिरी दो बॉल पर कोई रन नहीं दिया।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड,खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन के फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों

से भरपूर होता है। लेकिन अगर आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत?व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के

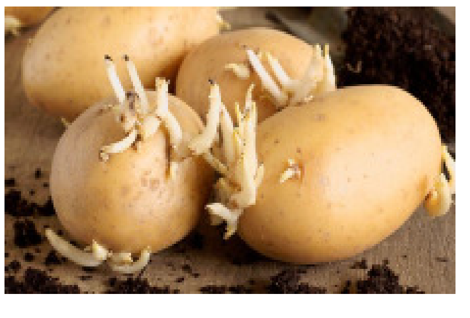

माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त और पेट

में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50° (7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

बढ़ती उम्र में मांसपेशियां होने लगती हैं कमजोर,इडली-ढोकले,दही जैसे फूड खाएं,60 पार मसल्स बने रहेंगे मजबूत

नयी दिल्ली। बुढ़ापे में थकान, चलने में दिक्कत और गिरने का डर, ये सब 'सार्कोपेनिया' यानी कमजोर मसल्स के कारण होता है। दरअसल 60 की उम्र के बाद शरीर प्रोटीन को ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाता, जिससे मसल्स गलने लगती हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) कहती है- यदि इस उम्र में डाइट में दही, इडली-ढोकला जैसे फर्मेंटेड फूड, सही प्रोटीन के साथ हल्की कसरत करें तो मसल्स मजबूत बनी रहेंगीं। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. शैलेंद्र भदौरिया, एमडी-जेरियाट्रिक मेडिसिन, एम्स नई दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। 60 साल बाद भी मसल्स मजबूत चाहते हैं तो खाने में अपने प्रति किलो वजन के अनुसार 1 ग्राम प्रोटीन जरूर लें। जैसे आपका वजन 65 किलो है तो रोज 65 ग्राम प्रोटीन खाने में शामिल करें।दही, इडली, डोसा और ढोकला जैसे खमीर वाले फर्मेंटेड फूड पाचन में मदद करते हैं। ये प्रोबायोटिक्स से पेट की सेहत सुधारते हैं, जिससे प्रोटीन आसानी से सोखा जाता है, लेकिन अकेले यह पर्याप्त नहीं हैं। शोध बताते हैं कि फर्मेंटेड फूड्स के साथ में आपके वजन अनुसार प्रोटीन की मात्रा लें। साथ में हल्के वजन की कसरत जरूर करें। इससे आपके मसल की स्ट्रेंथ बढ़ेगी।डब्ल्यूएचओ की सलाहः 65+ में डॉक्टर से सलाह लेकर हफ्ते में 2 दिन मसल मजबूत करने वाली कसरत जरूर करें। जैसे कुर्सी से 10 बार उठें-बैठें, दीवार के सहारे खड़े होकर पुश-अप लगाएं, पानी की बोतल से वेट लिफ्टिंग करें। दिनचर्याः रोजाना यह शेड्यूल अपनाएं -सुबहः एक्सरसाइज प्लस प्रोटीन नाश्ता -दोपहरः दाल-पनीर-सलाद -शामः 20 मिनट वॉक -रातः हल्की खिचड़ी।

स्प्राउट्स खाने से हो सकता है नुकसानःये 7 बातें ध्यान रखें, डाइटीशियन से जानें किन लोगों को नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। जो लोग अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखते हैं, उनके लिए स्प्राउट्स (अंकुरित) एक बेहतरीन सुपरफूड है। यह प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है, जिससे न सिर्फ शरीर को पर्याप्त एनर्जी मिलती है, बल्कि इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। यही वजह है कि हेल्थ कॉन्शियस लोग इसे डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि डाइट में शामिल करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कई बार थोड़ी सी भी लापरवाही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए कब नुकसानदायक हो सकते हैं? किन लोगों को स्प्राउटस खाने से परहेज करना चाहिए?

एक्सपर्ट- अनु अग्रवाल, डाइटीशियन और 'वनडाइटटुडे' की फाउंडर बताएंगी सवाल जवाब के माध्यम से- पहला सवाल- स्प्राउट्स क्या है? जवाब- स्प्राउट्स वे बीज होते हैं, जो कुछ घंटों या दिनों तक पानी में भिगोने और उचित नमी और तापमान में रखने के बाद अंकुरित होने लगते हैं। ये पोषण से भरपूर होते हैं और इन्हें सलाद, सैंडविच, सब्जियों, या अन्य खाने की चीजों में इस्तेमाल किया जाता है। सवाल- कौन-कौन से बीज और दालें स्प्राउट किए जा सकते हैं? जवाब- मूंग दाल, मसूर दाल, चना (काला और सफेद), मेथी दाना, गेहूं, रागी, सोयाबीन, राजमा, मटर या लोबिया के बीज और सूरजमुखी के बीज स्प्राउट किए जा सकते हैं। ये सभी पोषण से भरपूर होते हैं और पाचन के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। सवाल- कच्चे स्प्राउट्स को खाने से क्या जोखिम हो सकता है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि अगर स्प्राउट्स को अच्छी तरह से धोया या सही तरीके से स्टोर नहीं किया जाए तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। स्प्राउट्स के अंकुरण के लिए गर्म और नम वातावरण चाहिए होता है, जो साल्मोनेला, ई. कोलाई और लिस्टीरिया जैसे हानिकारक बैक्टीरिया के पनपने के लिए आदर्श स्थिति बनाता है। सवाल- स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक कैसे हो सकते हैं? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि स्प्राउट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन इन्हें खाने से पहले सही तरीके से स्टोर और साफ करना जरूरी है। स्प्राउट्स गर्म और नम वातावरण में उगते हैं, जहां साल्मोनेला और ई. कोलाई जैसे हानिकारक बैक्टीरिया आसानी से पनप सकते हैं। अगर इन्हें अच्छी तरह न धोया जाए या गलत तरीके से स्टोर किया जाए तो यह फूड पॉइजनिंग, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इन्फेक्शन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। सवाल- स्प्राउट्स खाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- स्प्राउट्स का सेवन हेल्दी है, लेकिन इन्हें सुरक्षित बनाने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए। सही तरीके से धोना, पकाना और स्टोर करना साल्मोनेला या ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया से बचा सकता है।सवाल- स्प्राउट्स खाने का सबसे सही समय कौन सा है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल के अनुसार, स्प्राउट्स खाने का सबसे अच्छा समय सुबह नाश्ते में या दोपहर के खाने से पहले है। इस समय शरीर इन्हें आसानी से पचा लेता है और इनके पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाता है। वहीं रात में कच्चे स्प्राउट्स खाने से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद अधिक फाइबर और एंजाइम धीमे पाचन के दौरान गैस, पेट फूलना या अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। सवाल- क्या स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हो सकते हैं। इनमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराता है और ओवरईटिंग से बचाता है। साथ ही इनमें मौजूद प्रोटीन मसल्स बनाने और फैट बर्न करने में सहायक होता है। हालांकि बेहतर परिणाम के लिए इन्हें संतुलित मात्रा में और संतुलित डाइट के साथ ही शामिल करना चाहिए।सवाल- क्या स्प्राउट्स को पकाकर खाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स को ज्यादा पकाने पर विटामिन सी और बी जैसे कुछ हीट-सेंसिटिव पोषक तत्व कम हो सकते हैं। हालांकि हल्का स्टीम करना या थोड़ा उबालना बेहतर विकल्प है। इससे बैक्टीरिया का खतरा घटता है और अधिकांश पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। सवाल- क्या पैकेज्ड या मार्केट से खरीदे स्प्राउट्स सुरक्षित होते हैं? जवाब- जरूरी नहीं कि पैकेज्ड या बाजार से खरीदे गए स्प्राउट्स हमेशा सुरक्षित हों। अगर उनकी स्टोरेज या हैंडलिंग सही तरीके से न हुई हो तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसलिए खरीदते समय एक्सपायरी डेट जांचें, पैकिंग में बदबू, नमी या फफूंदी के लक्षण न हों और घर लाने के बाद इन्हें अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। सवाल- स्प्राउट्स को खराब होने से कैसे बचाएं? जवाब- स्प्राउट्स को खराब होने से बचाने के लिए उन्हें हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर करें और 2-3 दिन के भीतर इस्तेमाल कर लें। नमी और गर्मी में ये जल्दी खराब हो सकते हैं। हल्का उबालने या स्टीम करने से इनकी शेल्फ लाइफ थोड़ी बढ़ सकती है। अगर इनमें बदबू, चिपचिपापन या रंग बदलने के संकेत दिखें तो इन्हें तुरंत फेंक दें। सवाल- बच्चों को स्प्राउट्स कब और कैसे देने चाहिए? जवाब- छोटे बच्चों (1-5 वर्ष) को कच्चे स्प्राउट्स देने से बचना चाहिए, क्योंकि उनका पाचन और इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता है। 6 वर्ष से ऊपर के बच्चों को स्प्राउट्स धीरे-धीरे और डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह से शुरू कर सकते हैं।

शोएब अख्तर बोले-भारतीय गेंदबाजों में मेल्कम मार्शल जैसा खौफ नहीं

नयी दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 मुकाबले में भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76

रन से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की आलोचना की। अख्तर ने कहा, 'हार्दिक और शिवम दुबे 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे। वे कोई मैल्कम मार्शल नहीं हैं जो साउथ अफ्रीका जैसी टीम को डरा सकें। अगर आप डेथ ओवर्स में उनसे गेंदबाजी कराएंगे, तो अफ्रीकी बल्लेबाजों का ऐसा पलटवार होना तय था।' मैल्कम मार्शल वेस्टइंडीज के गेंदबाज थे, जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे। 1970 और 80 के दशक में जब वेस्टइंडीज क्रिकेट की दुनिया पर राज करता था, तब मार्शल उनके सबसे खतरनाक हथियार थे। वे दुनिया के सबसे खतरनाक बाउंसर मारने के लिए जाने जाते थे। कई दिग्गज बल्लेबाजों की नाक और जबड़े उनकी गेंदों से टूट चुके थे। अख्तर- बोले- भारतीय बॉलिंग यूनिट की कमियां उजागर हुईं- अख्तर का मानना है कि इस हार ने भारतीय बॉलिंग यूनिट की कमियों को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि साउथ अफ्रीका जैसे मजबूत बैटिंग लाइन-अप के सामने भारतीय गेंदबाज पूरी तरह बेअसर नजर आए।खासकर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे की गेंदबाजी को उन्होंने बिना धार वाली बताया। दोनों ऑलराउंडर्स ने मिलकर 6 ओवरों में 67 रन खर्च किए और केवल एक विकेट हासिल किया। अख्तर ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वरुण अपनी सामान्य लय में नहीं दिखे। अख्तर के मुताबिक ,'वरुण की ताकत 97-98 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डालना है, लेकिन इस मैच में वे 94 की स्पीड पर आ गए थे। जब वे अटैक पर आए, तो डेवाल्ड ब्रेविस ने उन्हें सिक्स जड़ दिया। इससे साफ है कि गेंदबाज दबाव में थे।' भारतीय गेंदबाजी में सुधार के लिए अख्तर ने एक बड़ा सुझाव दिया है। उन्होंने चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को प्लेइंग-इलेवन में शामिल करने की वकालत की। अख्तर ने कहा,'इस टीम में कुलदीप यादव की कमी खल रही है। वे ऐसे गेंदबाज हैं जो हवा में बल्लेबाजों को धोखा दे सकते हैं और जरूरत पड़ने पर विकेट निकाल सकते हैं। वे एक मैच विनर खिलाड़ी हैं और उन्हें बाहर रखना समझ से परे है।' सुंदर और वरुण के बॉलिंग का अंदाजा पहले से लगाया जा सकता है अख्तर का मानना है कि वॉशिंगटन सुंदर और वरुण चक्रवर्ती एक ही तरह की स्किल्स वाले गेंदबाज हैं। इससे भारतीय आक्रमण का अंदाजा बल्लेबाज आसानी से लगा लेते हैं। उन्होंने कहा कि जब अटैक में विविधता नहीं होती, तो दुनिया की टॉप टीमें आसानी से भारतीय गेंदबाजों को टारगेट कर लेती हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में यही देखने को मिला जहां अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय स्पिनर्स को जमने नहीं दिया।भारतीय टीम 111 रन पर ऑलआउट हो गई थी 22 फरवरी रविवार को टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका ने तीसरे सुपर-8 मैच में 76 रन के अंतर से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके। केशव महाराज ने 3 विकेट लिए। कॉर्बिन बॉश को 2 और ऐडन मार्करम को एक विकेट मिला। शिवम दुबे ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। इससे पहले साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर ने 35 बॉल पर 63 रन बनाए। जबकि डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 24 बॉल पर नाबाद 44 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट लिए।

क्या आपको बहुत ज्यादा जम्हाई आती हैःहो सकता है इन 7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

नयी दिल्ली। जम्हाई लेना हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह अक्सर थकान, नींद या बोरियत की वजह से होती है। लेकिन अगर लगातार और बिना किसी वजह के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो यह हार्ट डिजीज से लेकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर तक किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना तो सामान्य है। लेकिन अगर नियमित रूप से बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि कुछ आसान उपायों से इससे राहत मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, जम्हाई आराम की भावना से जुड़ी होती है। इसे लंबे समय से बोरियत का संकेत माना जाता रहा है। यह संक्रामक भी है क्योंकि जम्हाई के बारे में देखने, सुनने, पढ़ने या यहां तक कि सोचने से भी जम्हाई आ सकती है। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से। सवाल जवाब के माध्यम से- सवालः जम्हाई क्या है? जवाब- जम्हाई वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपना मुंह चौड़ा खोलकर गहरी सांस अंदर लेता हैं और फिर छोड़ता है। यह ज्यादातर अनजाने में होती है यानी इसे रोकना मुश्किल होता है। अंग्रेजी में इसे ऑसीटेशन कहा जाता है। एक जम्हाई लगभग 4-7 सेकेंड तक चलती है और इसमें गले, मुंह और चेहरे की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह अक्सर थकान, नींद या ऊब के कारण होती है। सवाल- उबासी या जम्हाई आने के क्या कारण हैं? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं, जो अक्सर शरीर और ब्रेन की जरूरतों से जुड़े होते हैं। नींद की कमी- जब पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो शरीर थकान महसूस करता है। इस थकान को दूर करने और शरीर को जगाए रखने के लिए उबासी आती है। मानसिक थकान या बोरियत- जब आप किसी नीरस काम में लगे होते हैं या दिमाग थक जाता है तो उबासी आ सकती है। यह दिमाग को फिर से एक्टिव करने का एक तरीका हो सकता है।ऑक्सीजन की कमी- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने पर भी उबासी आती है ताकि फेफड़ों में ज्यादा हवा भरी जा सके और ब्रेन तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंच सके। संक्रामक उबासी- किसी दूसरे व्यक्ति को उबासी लेते हुए देखने या सुनने पर हमें भी उबासी आ सकती है।

एआई में यह एक गुण कभी नहीं आ सकेगा!

इस बार रक्षाबंधन पर 15 साल की अनामता ने 14 साल के शिवम को राखी बांधी। हमारे जैसे पाठकों

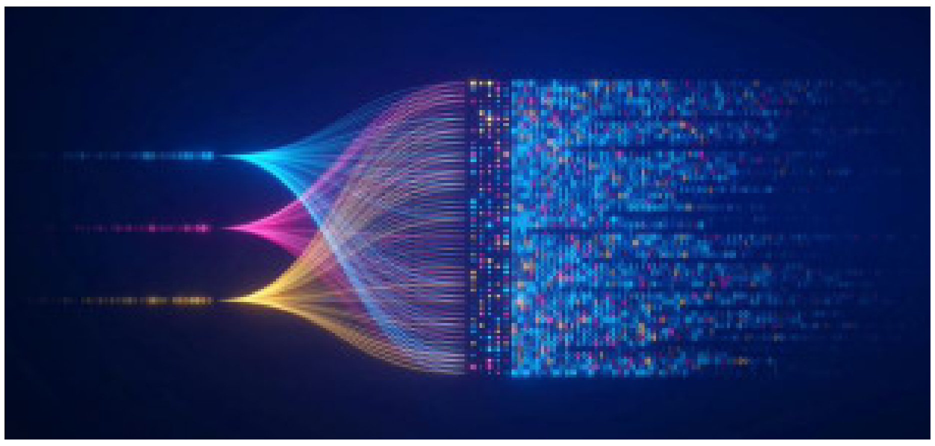

के लिए इसमें कुछ भी नया नहीं है क्योंकि रक्षाबंधन पर राखी बांधी ही जाती है। लेकिन उस समय सिर्फ शिवम ही नहीं, लगभग सभी की आंखें नम हो गई थीं और शिवम के आंसू तो उसके हाथों पर गिरने लगे थे।उसने धीरे से उन्हें पोंछा,

लेकिन जितना वह पोंछता, उसके आंसू उतने ही बहते जाते। वो आंसू तमाम आंसुओं की तरह थे- नम और कोमल। वो हाथ भी वही था, जिसे उसने पहले भी कई बार चूमा और सहलाया था, जब तक कि पिछले साल उसकी बहन की ब्रेन हैमरेज से मृत्यु नहीं हो गई। परिवार का कोई भी सदस्य शिवम की आंखें पोंछने या उसके सिर या कंधे पर हाथ रखकर उसे शांत करने को आगे नहीं बढ़ पाया, क्योंकि कोई भी अपने आंसुओं को रोक नहीं पा रहा था। वो जानते थे कि रिया अब वापस लौटकर नहीं आ सकती। लेकिन अनामता के शरीर में वह रिया का ही हाथ था, जो शिवम को इस साल राखी बांध रहा था। तीन साल पहले, उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक रिश्तेदार के घर की छत पर लटके हाई-टेंशन तार की चपेट में आने से अनामता का दाहिना हाथ काटना पड़ा था। उधर वलसाड के मिस्त्री परिवार ने जब अपनी बेटी रिया के अंगदान का फैसला किया और उसका हाथ अनामता को मिला।अनामता कंधे के स्तर पर हाथ का प्रत्यारोपण पाने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की लड़की बनी थी। पिछले सितंबर में रिया को ब्रेन-डेड घोषित किए जाने के बाद अनामता को प्रत्यारोपण के लिए एक जटिल सर्जरी से गुजरना पड़ा था। मिस्त्री परिवार इतने महीनों से जिस दर्द को महसूस कर रहा था, वह तब उस लड़की के लिए गहरे स्नेह में बदल गया, जब वो उनके बेटे की कलाई पर राखी बांधने के लिए गुजरात तक आई थी। उन्हें लगा जैसे रिया किसी और शरीर में वापस लौट आई हो!मुझे बताइए कौन-सा एआई आपमें ये भावनाएं जगा सकता है? वो तो वह भी नहीं कर सकता, जो 9 वर्षीय प्रणव दास ने चेन्नई में अपने भाई माधव दास के लिए किया था! जब माधव गिर पड़ा और उसके सिर पर टांके लगाने पड़े तो उसका सिर मुंडवाया गया था। प्रणव ने भी अपने बाल कटवा लिए, ताकि माधव खुद को अलग-थलग महसूस न करे। कितने एआई ऐसा कर सकते हैं?आज ये दोनों बच्चे लंबे बालों के साथ स्कूल आते हैं। उनके बाल करीने से बंधे होते हैं! क्योंकि दोनों भाइयों को यह अहसास हो गया है कि जिन युवा कैंसर रोगियों को इलाज के लिए सिर मुंडवाना पड़ता है, वो क्या महसूस करते हैं। उन्होंने ऐसा करने के लिए अपने प्रिंसिपल से लिखित अनुमति ली है और वे ?ऐसे बच्चों के लिए मुफ्त विग बनाने के लिए अपने बाल दान करते हैं। उनके इस प्रयास का स्कूल में खासा प्रभाव पड़ा। दूसरे बच्चे भी इसके लिए अपने बाल बढ़ाने लगे और चेरियन फाउंडेशन को मदद करने लगे, जो कि वंचित समुदायों को स्वास्थ्य-सेवाएं प्रदान करने को समर्पित एक एनजीओ है। हाल ही में इसने भारत भर में आर्थिक रूप से कमजोर कैंसर पीड़ितों को दान दिए गए विगों की संख्या के 2,000 के पार होने पर जश्न मनाया था। इसे वे 'अपने बालों को गिफ्ट देकर आत्मविश्वास का उपहार देना' कहते हैं।यह लेख सेल्वा बृंदा का उल्लेख किए बिना पूरा नहीं हो सकता। वे एक ऐसी मां हैं, जिनका प्यार असीम है। तमिलनाडु के त्रिची जिले के कत्तूर की इस गृहणी ने 22 महीनों (अप्रैल 2023 से फरवरी 2025 तक) की अवधि में 300.17 लीटर से ज्यादा ब्रेस्ट-मिल्क का दान दिया, जिससे समय से पहले जन्मे और बीमार अनगिनत नवजात शिशुओं की जान बची और एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बना। उन्होंने कहा, एक छोटा-सा योगदान भी उस बच्चे को पोषण दे सकता है, जिसे इसकी सख्त जरूरत हो। यह विचार अपने आपमें लोगों को सक्रिय होने के लिए प्रेरित कर सकता है। उनकी कहानी हमें एक बार फिर यह याद दिलाती है कि करुणा कैसे कोमल जीवन को बदल सकती है। फंडा यह है कि एआई किसी फैक्टरी या दफ्तर में तो सब कुछ कर सकता है, लेकिन यकीन मानिए, वो वह सब कभी नहीं कर सकता, जो मानवीय करुणा कर सकती है। अगर आप वाकई एआई को हराना चाहते हैं, तो अपने अंदर करुणा के गुण को अलग-अलग तरह से जितना हो सके बढ़ाएं।

एन. रघुरामन

थोड़ा-सा 'अतिरिक्त' एक बड़ी रिलेशनशिप को बनाता है

लक्ष्मीनारायण को अरबी फ्राई पसंद है और मुथुरामन को पत्तागोभी, यह कहते हुए मेरी मां खूब सारा

अरबी धोकर कुकर में डाल देतीं और आंच तेज कर देतीं ताकि यह सख्त सब्जी जल्दी पक जाए। इस बीच वे जल्दी से धुली हुई पत्तागोभी को काटकर अलग से पानी में उबाल लेतीं। अरबी के छिलके उतारने के लिए मेरी बहन की मदद लेने के बाद वे ताजा नारियल छीलना शुरू कर देतीं।वे मुझे अरबी को केरल वाले आलू के चिप्स की तरह काटने के लिए कहतीं। फिर ये दोनों सब्जियां दो अलग-अलग कढ़ाई में चली जातीं। उबली हुई पत्तागोभी को लाल सूखी मिर्च और ढेर सारी चना दाल (पहले से गरम पानी में भिगोई हुई) के साथ तड़का दिया जाता और कढ़ाई में डालने से पहले धीमी आंच पर पकाया जाता। अरबी पर सब तरफ से मसाला लगाने के बाद उन्हें बहुत कम तेल में मद्धम आंच पर भूना जाता। फिर कड़ाही में गोभी को चलाते हुए ऊपर से नारियल बुरककर डालते।लेकिन उस दिन ये दोनों सब्जियां हमारे खाने का हिस्सा नहीं होती थीं। यह सब इसलिए किया गया था, क्योंकि मेरे उपरोक्त दो दोस्त हमें बिना बताए भोजन के लिए चले आए थे। इस तरह से किसी के भी चले आने पर मां कभी मुंह नहीं बनातीं। वे घर आने वालों के चेहरों को पढ़कर बता देतीं कि उन्हें कितनी भूख लगी है और उनकी पसंद का खाना बनाने की कोशिश करतीं।वे हर किसी की पसंद को याद रखती थीं और उसी के अनुसार खाना बनाती थीं। बताने की जरूरत नहीं कि मेरे दोस्त उन सब्जियों को चाव से खाते, डकार लेते और चले जाते, और अगर मैं उनके हिस्से का खा लेता तो मुझसे झगड़ा करते।वैसे तो पूरा भोजन ही स्वादिष्ट होता था, लेकिन ये दोनों दोस्त अगले कुछ महीनों तक कॉलेज में अरबी और गोभी- इन दो 'अतिरिक्त' सब्जियों की तारीफ करते रहते, जब तक कि वे अगली बार मेरे घर नहीं आ जाते। मां की मृत्यु के 30 साल बाद भी उन्हें उन सब्जियों का स्वाद ठीक उसी तरह से याद है, जैसे उन्होंने उन्हें कल रात खाया हो।मुझे यह कहानी शनिवार को तब याद हो आई, जब मैं भिलाई में रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एचआर कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहा था। 20 से अधिक एमएनसी के एचआर अधिकारी वहां गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुए थे।मैंने अपना संबोधन यह कहते शुरू किया कि अपने बारे में कुछ बताइए। मुझे नहीं पता कि यह सवाल कितना पुराना है। लेकिन ये वो सवाल है, जो किसी भी कंपनी में ज्यादातर इच्छुक उम्मीदवारों की किस्मत तय करता है। यहां बैठे इन एचआर प्रमुखों से पूछिए। वे इस सवाल को बार-बार पूछने में कभी शर्म महसूस नहीं करते।ऐसा इसलिए, क्योंकि यह एक से दो मिनट की छोटी-सी अवधि उम्मीदवार के आत्मविश्वास, भाषा-शैली, हास्यबोध, सतर्कता, कहानी सुनाने की क्षमता और देहभाषा से परिचित कराती है। आप सभी को मेरी सलाह है कि इंटरव्यू खत्म होने तक रिज्यूमे में लिखी की गई जानकारी के अलावा भी अपने पास अपने बारे में कुछ 'अतिरिक्त' रखें।इसने मुझे एक फरसाण स्टोर की याद दिलाई, जिसके बुजुर्ग संस्थापक जब कैश काउंटर पर बैठते थे, तब उनकी बिक्री बहुत अच्छी चल रही थी और जब उनका एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा उसी जगह पर बैठा, तो बिक्री में भारी गिरावट आई। वे हैरान थे कि ऐसा क्यों हो रहा है।अंत में पता चला कि ग्राहकों को यह बात बहुत अच्छी लगती थी कि बुजुर्ग प्लास्टिक बैग को सील करने से पहले फरसाण का एक 'अतिरिक्त' बड़ा टुकड़ा उसमें डाल देते थे, जबकि एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा वजन के बराबर ही तौलता था। उस 'अतिरिक्त' से ही ग्राहकों और दुकान के बीच एक रिश्ता बन गया था। यह कुछ ऐसा ही था, जो अतीत के दिनों में दूधवाले किया करते थे।फंडा यह है कि आप युवाओं को ज्ञान, कहानियां, भोजन, साक्षात्कार के दौरान आत्म-गौरव से लेकर शुभकामनाएं तक कुछ भी दे सकते हैं, लेकिन दुनिया हमेशा उस 'अतिरिक्त' चीज की कद्र करती है, जो आप इस प्रक्रिया में देते हैं। और हां, आपकी मानवता की भी।

बीज पर काम करें, तो फल अपने आप आपको चौंका देंगे

नारायणा हेल्थ के चेयरमैन व कार्यकारी निदेशक डॉ. देवी

प्रसाद शेट्टी ने काफी पहले एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत पहला ऐसा देश बनने को तैयार है, जहां स्वास्थ्य देखभाल व पैसा अलग-अलग होगा और ये बदलाव अगले 5 से 10 वर्षों में ही हो जाएगा। इस दावे के समर्थन में डॉ. शेट्टी ने तीन बड़ी अर्थव्यवस्था- भारत, अमेरिका व चीन में मोतियाबिंद सर्जरी की तुलना की।उन्होंने कहा, 'अमेरिका में सालाना 35 लाख मोतियाबिंद सर्जरी होती हैं। आबादी के लिहाज से चीन को इसकी पांच गुना सर्जरी करनी चाहिए, पर वह सिर्फ 32 लाख ही करता है। जबकि भारत में 85 लाख सर्जरी सालाना होती हैं, जो अमेरिका, चीन और बहुत से यूरोपीय देशों को मिलाकर भी अधिक है।शेट्टी के अनुसार ये उन उद्यमी चिकित्सकों के कारण संभव हुआ, जिन्होंने स्वतंत्र क्लीनिक खोले। इससे सर्जरी का खर्च घटा। उन्होंने गर्व से कहा 'भारत अपने स्वास्थ्य देखभाल के ढांचे में बदलाव कर रहा है। जो हमने हासिल किया, वो कोई और देश नहीं कर सकता।'डॉ. शेट्टी ने पहले के एक इंटरव्यू में कहा था, 'निजी क्षेत्र में बहुत महंगी होती जा रही चिकित्सा शिक्षा के कारण हम आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्गों में से बहुत से जादुई हाथ खोते जा रहे हैं।' उनका मतलब था कि भविष्य के ऐसे बहुत से प्रतिभावान डॉक्टर हैं, जो मेडिसिन में योगदान दे सकते हैं, पर महंगी पढ़ाई के कारण वे अवसर खो रहे हैं।डॉ. शेट्टी के वो दोनों कथन मुझे तब याद आए, जब मैंने हाल ही में सुना कि कैसे उत्तरप्रदेश के सर्वोदय स्कूल की 25 में से 12 छात्राओं ने नीट परीक्षा पास की है, जिसका परिणाम इसी सप्ताह जारी हुआ है। यहां उन छात्राओं की कहानी बताता हूं।प्रिंसी खेतिहर मजदूर की बेटी हैं, पूजा रंजन सोनभ्रद के किसान की बेटी हैं, वहीं कौशांबी की श्वेता, साइकिल का सीट कवर बेचने वाले परिवार में पली-बढ़ीं। उनका सपना सरकारी स्कूल से अधिक कुछ भी नहीं था और वे हॉस्पिटल बेड्स के बीच इधर-उधर भागती महिला डॉक्टर्स को दूर से देखकर सिर्फ अचरज करती थीं।एप्रन पहनकर गले में स्टेथोस्कोप लटकाए देखने की कल्पना मात्र से ही वह डर जाती थीं। पर अब ऐसा नहीं है। अपने स्कूल की नौ अन्य छात्राओं समेत इन तीनों ने इस वर्ष नीट परीक्षा पास कर ली है। यूपी के मिर्जापुर स्थित मरिहन में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित सर्वोदय विद्यालय की 25 छात्राएं इस परीक्षा में शामिल हुई थीं, इनमें सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग से थीं और इनमें से आधी छात्राओं ने ये परीक्षा पास कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।उन्होंने ये सब कैसे किया? आर्थिक तौर पर पिछड़े वर्ग के छठी से बारहवीं के बच्चों के लिए हॉस्टल सुविधा के साथ संचालित होने वाले सर्वोदय स्कूल में छात्राओं को मुफ्त आवासीय कोचिंग मिली। नियमित स्कूल के अलावा ये छात्राएं खासतौर पर नीट के लिए कोचिंग में भी शामिल होती थीं।वहां नीट-जेईई के लिए दाखिला लेने वाली 39 छात्राओं में से 25 ने परीक्षा दी और 12 उतीर्ण हुईं। इस सफलता से प्रेरित होकर समाज कल्याण विभाग के 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस' को पूरे यूपी के अन्य सर्वोदय विद्यालयों में भी शुरू किया जा रहा है, यूपी में ऐसे स्कूलों की संख्या लगभग 100 है।मैं जयपुर के शेपिंग फ्यूचर नाम के एक संगठन के बारे में जानता हूं, जो आर्थिक तौर पर कमजोर ऐसे सैकड़ों बच्चों की सहायता करता है, बशर्ते वो बच्चे मेधावी हों और भविष्य के भारत की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेने की योग्यता रखते हों।इन युवा मेधावी दिमागों को जो चाहिए, वह है सीखने की तकनीक में जरा सा प्रोत्साहन और थोड़ी सी वित्तीय सहायता। और फिर, जैसा कि डॉ.शेट्टी ने कहा, भारत को विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया के किसी भी देश को मात देने से कोई नहीं रोक सकता। यहां तक कि हम जैसे लोग भी अपने आसपास ऐसे प्रतिभाशाली दिमागों को पहचान सकते हैं।फंडा यह है कि यदि हम बीजों पर काम करें, मेरा मतलब कि आर्थिक रूप से सबसे ?निचले पायदान पर बैठे गरीब बच्चों पर, तो उनमें से उपजाऊ बीज रूपी बच्चे प्रकाश की ओर बढ़ेंगे और संबंधित क्षेत्र में मिसाल कायम करेंगे।

सुंदरता हर तरफ है, इसलिए क्यों ना आज अपना 'बिन' निकालकर चलें

'अरे, यह तो ग्रे हेरॉन है, इसे जख्मी देखकर बहुत बुरा लग रहा

है,' इस शुक्रवार को मैं अखबार हाथ में लिए चिल्लाया। पत्नी दौड़ती हुई आईं और पूछा, 'क्या हुआ?' मैंने उन्हें शुक्रवार के चार अखबार दिखाए, जिनमें अलग-अलग ऐसे पक्षियों की तस्वीरें थीं, जो या तो मारे गए थे या घायल हो गए थे। इसके साथ ही गुरुवार को मुंबई के समीप ठाणे में एक हाउसिंग सोसाइटी द्वारा पेड़ों की बेतहाशा छंटाई की खबर थी। 'क्या आपको यकीन है कि ये ग्रे हेरॉन है, इग्रेट नहीं?' उन्होंने पूछा तो मैं अपनी पुरानी डायरी ले आया और उन्हें समझाया कि कैसे हेरॉन लंबी टांगों और चौड़े पंखों वाले जलचर पक्षी होते हैं। हालांकि हेरॉन, इग्रेट और बिटर्न जैसे पक्षी एक ही आर्डीडे परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इग्रेट आमतौर पर पूरी तरह से सफेद होते हैं, जबकि हेरॉन कई रंगों के हो सकते हैं। वहीं बिटर्न की खासियत उनके घने, हल्के पीले-भूरे रंग के पंख हैं, जिन पर गहरी धारियां होती हैं। अगर मैं पक्षियों के बारे में मुझे कुछ जानकारी देने का श्रेय किसी को देना चाहूं, तो वे हॉलीवुड अभिनेता ओवेन विल्सन, स्टीव मार्टिन और जैक ब्लैक होंगे, जो मेरे मुताबिक हास्य दृश्यों में सर्वश्रेष्ठ हैं। यही कारण था कि जब वे तीनों एक साथ एक फिल्म में आए- 2011 में प्रदर्शित 'द बिग ईयर'- तो मैं उसे देखने का अवसर नहीं छोड़ पाया। फिल्म तीन पक्षी प्रेमियों की कहानी सुनाती है, और उनमें से हर कोई वही कर रहा होता है, जिसे 'द बिग ईयर' कहा गया है। वे ठान लेते हैं कि इस साल अमेरिका में किसी भी अन्य व्यक्तियों से ज्यादा पक्षी देखेंगे। और उन तीन पक्षी प्रेमियों के साथ हम दर्शक भी फिल्म में सैकड़ों पक्षी देखते हैं, और हर एक की गिनती करते हैं। लेकिन फिल्म का मर्म एक अच्छे जीवन के अर्थ के बारे में है, इस बारे में कि किसी व्यक्ति के लिए सिर्फ बड़े होने, पैसे कमाने, परिवार बनाने वगैरह से बढ़कर एक अधिक मनुष्य बनने के लिए क्या जरूरी है। फिल्म के तीनों ही नायक अपने-अपने जीवन का अर्थ समझते हैं। वे अलग-अलग चुनाव करते हैं कि क्या मायने रखता है और क्या नहीं; कौन मायने रखता है और कौन नहीं; और जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है और क्या नहीं। फिल्म देखने के बाद में वर्षों में मैंने पक्षियों के बारे में बहुत सीखा। मुझे पता नहीं था? पक्षियों के बारे में इतना कुछ जानने को है। पहली चीज जो मैंने सीखी, वह थी बर्ड-वॉचिंग के लिए जरूरी उपकरण। फिल्म देखते हुए किसी ने कहा 'हमें अपना 'बिन' खोजना होगा।' फिल्म समाप्त होने के बाद मैंने उनसे कहा, 'माफ कीजिए, पर मैंने आपको 'बिन' कहते सुना।

पक्षियों को देखने के लिए आपको 'बिन' की क्या जरूरत है?' मुझे लगा था बिन का मतलब डस्टबिन होगा। वे जोर से हंसे और कहा कि यह बाइनोकुलर (दूरबीन) का छोटा नाम है! इसके बाद मैंने सबसे पहला जो काम किया, वो ये था कि अपना 'बिन' निकाला, जो मुझे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस अखबार के लिए क्रिकेट को कवर करते समय उपहार में दिया था। बर्डिंग से हम प्रकृति में मौजूद विविधता के प्रति सजग हो पाते हैं। ज्यादातर पक्षी मूलतः एक जैसे ही हैं, खोखली हड्डियों, पंखों और पंजों से निर्मित। फिर भी प्रवास-मार्गों, भोजन के तरीकों और पंखों के संयोजन से उन्होंने जीवित रहने के अनगिनत तरीके खोज निकाले हैं। अलग-अलग तरह के घोंसले बनाने की उनकी क्षमता उनकी विशिष्ट रचनात्मकता को दर्शाती है, ठीक वैसे ही जैसे वास्तुकला का एक ही पाठ्यक्रम पढ़ने के बावजूद मनुष्य भवन-निर्माण में अलग-अलग प्रकार की सृजनात्मकता प्रदर्शित करते हैं। हालांकि मैं फिल्म के मुख्य पात्रों की तरह हर साल देखे जाने वाले पक्षियों की संख्या नहीं नोट करता, लेकिन पक्षियों के प्रति प्रेम मुझे अकसर घर से बाहर जाने को प्रेरित करता है, जिससे मुझे कम से कम बारिश के मौसम में हलका-फुलका व्यायाम करने का अवसर मिल जाता है। फंडा यह है कि हमारे चारों ओर चाहे जितनी लापरवाही क्यों न हो, दुनिया फिर भी बहुत सुंदर है। यह हमें चुनना है कि हमारे लिए क्या मायने रखता है और हमें किन लोगों से मिलना है। चूंकि आज वर्षा ऋतु का रविवार है, तो आप भी चयन करें और अपने 'बिन' के साथ घर से बाहर निकल पड़ें!

एन. रघुरामन

6 खतरे हैं, जिनसे लोकतंत्र का बचाव करना चाहिए

चुनावों का दौर आने वाला है। बिहार और झारखंड में इस वर्ष के अंत में चुनाव होने जा रहे हैं। उसके बाद असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल में मई 2026 में चुनाव होंगे। आलोचक भले ही कहते हों कि हमारे यहां बहुत चुनाव होते हैं, लेकिन चुनावी-लोकतंत्र ही हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है।चीन और पाकिस्तान के पास यह ताकत नहीं है, न ही यह सोवियत संघ के पास थी। जिन सर्वसत्तात्मक शासनों में कतई भी लचीलापन ना हो, वो बहुत अस्थायी होते हैं। मॉस्को में राजनयिक के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान मैंने सोवियत संघ का विघटन अपनी आंखों से देखा था। मुझे लगता है चीन भी ऐसे ही टाइम बम पर बैठा है। इसके विपरीत लोकतंत्र अधिक लचीले होते हैं, क्योंकि उनमें जनता की नाराजगी को बाहर निकालने के लिए चुनावों का सेफ्टी वॉल्व होता है।विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि लोकतंत्र सरकार का सबसे खराब रूप है, सिवाय उन सभी के जो उससे पहले आजमाए गए थे। यह सही हो सकता है, किंतु लोकतंत्र के संचालन के लिए सतत निगरानी बहुत जरूरी है ताकि उसके स्वरूप से अधिक उसकी आत्मा अक्षुण्ण रहे। ऐसे छह खतरे हैं, जिनसे लोकतंत्र का बचाव किया जाना चाहिए।पहला खतरा है, अधिनायकवाद। जब कोई लोकतांत्रिक सरकार आलोचना और असहमति के प्रति असहिष्णु हो जाए तो प्रजातंत्र को जीवित रखने वाला संवाद मर जाता है। अपनी सहूलियत के लिए अमानवीय कानून बनाकर उनका दुरुपयोग, बिना निर्धारित प्रक्रिया अपनाए बुलडोजर-न्याय आदि लोकतंत्र की आत्मा के लिए अभिशाप जैसे हैं।अरस्तू ने कहा था कि 'स्वतंत्रता ही लोकतंत्र का आधार है।' दूसरा खतरा है बढ़ता वंशवाद। आज हमारे ज्यादातर राजनीतिक दल पारिवारिक जागीरों जैसे हैं। वे लोकतंत्र के बजाय मध्ययुगीन सामंतवाद की याद दिलाते हैं। तीसरा खतरा- जिस पर बहुत-से राजनीतिक दल भी कुछ नहीं बोल पाते- वह है कोई भी अनुचित तरीका अपनाकर येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करना। आज राजनीति में धर्म, जाति, धुर-राष्ट्रवाद, संकीर्ण मुद्दे, बेनामी सम्पत्ति और बाहुबल आम बात है।चौथा खतरा बहुमत का गलत तरीके से उपयोग है, जिसमें केंद्र या राज्य सरकारें रचनात्मक-संवाद के स्थान पर आंकड़ों की ताकत के बल पर अपनी इच्छा थोप देती हैं। संविधान पेश करते हुए डॉ. आम्बेडकर ने इस आशंका के प्रति चेतावनी भी दी थी।उन्होंने कहा था कि भारत जैसे देश में लोकतंत्र के अधि?नायकवाद में बदलने का खतरा है। खासतौर पर जब किसी दल की बहुत बड़ी जीत हो तो इस खतरे के वास्तविकता में बदलने की संभावना बहुत ज्यादा है। पांचवां खतरा है केंद्र-राज्य संबंधों को अस्थिर करने की कोशिश।केंद्र में मजबूत सरकारों ने राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारों के कामकाज को बाधित करने के लिए संविधान की गलत व्याख्या की है। वास्तव में तो 'डबल इंजन सरकार' का जुमला ही अपने आप में इस बात का सबूत है कि 'सिंगल इंजन सरकारें'- जिन्हें केंद्र का सहयोग नहीं है- नुकसान में ही रहेंगी। यह सोच लोकतांत्रिक संघवाद के लिए खतरा है।अंतिम और शायद सबसे प्रमुख तौर पर लोकतंत्र तब खतरे में होता है, जब चुनी हुई सरकारें जनता से किए वादे पूरे नहीं करतीं और सियासी ताकत को निजी हित साधने के लिए काम में लेती हैं। कालिदास ने राजधर्म की व्याख्या करते हुए कहा था : 'प्रवर्त्ततां प्रकृतिहिताय' यानी जनता के कल्याण के लिए काम करना। चाणक्य ने कहा था कि 'राजा को अपनी पूरी शक्ति लोककल्याण में समर्पित कर देनी चाहिए।' महाभारत में भी दायित्व पूरे नहीं करने वाले राजा के खिलाफ विद्रोह को उचित बताया गया है।

अमेरिकी दावा

चीन ने 2020 में छुपकर न्यूक्लियर-टेस्ट किया,6 साल में 400 हथियार बनाए,अमेरिका की बराबरी करना चाहता

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर तनाव फिर से बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने चीन पर आरोप लगाया है कि उसने लगभग छह साल पहले एक सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट किया था।

अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने सोमवार को कहा कि लगभग छह साल पहले, 22 जून 2020 को चीन के पश्चिमी इलाके में स्थित लोप नूर में अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट सेंटर पर एक विस्फोट हुआ था। यह विस्फोट 2.75 तीव्रता का था, जिसकी जानकारी पड़ोसी देश कजाकिस्तान के स्टेशन से मिली। येव ने इसे एक परमाणु विस्फोट बताया। उन्होंने कहा कि भूंकप माइनिंग विस्फोट से अलग थे। यह एक सिंगल फायर एक्सप्लोजन की तरह था, जो परमाणु परीक्षण की निशानी है। येव ने कहा कि चीन ने जानबूझकर अपनी परमाणु ताकत बढ़ाई है।

उन्होने बताया कि 2020 से अब तक चीन के परमाणु हथियार 200 से बढ़कर 600 से ज्यादा हो गए हैं। अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 1,000 से ऊपर पहुंच जाएगी और अगले 4-5 सालों में चीन अमेरिका के बराबर हो सकता है।यह दावा ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और रूस के बीच का आखिरी बड़ा परमाणु समझौता, न्यू स्टार्ट संधि, इस महीने खत्म हो गया है।

इस संधि के खत्म होने के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के हथियारों पर लगी सीमाएं हट गई हैं, जिससे नई न्यूक्लियर हथियारों की दौड़ की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका अब चीन और रूस से पारदर्शिता और खतरनाक हथियारों को सीमित करने की मांग कर रहा है, जबकि चीन इन आरोपों को बेबुनियाद बता रहा है।

येव ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समर्थित निरस्त्रीकरण (हथियारों का त्याग) कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि न्यू स्टार्ट समझौते की सबसे बड़ी कमी यह थी कि इसमें चीन के तेजी से बढ़ते और गोपनीय परमाणु कार्यक्रम को शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि रूस के पास करीब 2,000 गैर-रणनीतिक (नॉन-स्ट्रैटेजिक) परमाणु हथियार हैं, लेकिन चीन भी बिना किसी रोक-टोक के अपने परमाणु जखीरे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पिछले कुछ सालों में परमाणु हथियारों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई विवाद हुए हैं। 2010 में अमेरिका और रूस ने न्यू स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती थी। इस संधि के तहत दोनों देशों को अपने परमाणु वारहेड्स को 1,550 तक सीमित रखना था और मिसाइलों और बॉम्बर्स की संख्या पर भी पाबंदी थी। इस संधि में रूस के गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों, जैसे छोटी दूरी के हथियारों को शामिल नहीं किया गया था।

ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा परमाणु समझौते की कोशिश की थी, लेकिन यह असफल रही। ट्रम्प ने 2020 में अमेरिका के परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने की बात भी कही थी, हालांकि बाद में स्पष्ट किया गया कि इसमें विस्फोटक परीक्षण नहीं होंगे। 1992 के बाद अमेरिका ने कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है।चीन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

सम्मेलन में चीन के राजदूत जियान शेन ने कहा कि अमेरिका के दावे पूरी तरह झूठे हैं। यह अमेरिका का बहाना है ताकि वह खुद परीक्षण शुरू कर सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि चीन ने हमेशा परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि का पालन किया है और पांच परमाणु शक्तियों (अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन) की प्रतिबद्धता के मुताबिक कोई परीक्षण नहीं किया।

चीन का कहना है कि उसका परमाणु भंडार अमेरिका या रूस जितना बड़ा नहीं है, इसलिए तीन तरफा वार्ता की मांग गलत है। उन्होंने बताया कि चीन की रणनीतिक स्थिति अलग है और वह केवल रक्षा के लिए परमाणु हथियार रखता है। वॉशिंगटन में कार्नेगी एंडाउमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के विशेषज्ञ टोंग झाओ ने कहा कि अगर चीन ने सच में परीक्षण किया तो उसकी जिम्मेदार परमाणु शक्ति वाली छवि खराब हो सकती है और अमेरिका को परीक्षण बहाल करने का मौका मिल सकता है।अमेरिका अब इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा रहा है। येव ने सम्मेलन में दूसरे देशों चीन और रूस पर बहुपक्षीय बातचीत में शामिल होने के लिए दबाव डालने के लिए कहा है। अमेरिका ने रूस और चीन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की है और फ्रांस, ब्रिटेन जैसे सहयोगियों के साथ चर्चा जारी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका दुनिया में कम परमाणु हथियार चाहता है, लेकिन चीन और रूस की वृद्धि को देखते हुए चुप नहीं बैठेगा। यह पूरा मामला वैश्विक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। अगर परमाणु परीक्षण फिर शुरू हुए तो हथियार दौड़ और तेज हो सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पारदर्शिता और बातचीत से ही इस समस्या का समाधान निकल सकता है।ट्रम्प खुद भी साल 2025 के अंत में रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) को परमाणु हथियारों की तुरंत टेस्टिंग शुरू करने का आदेश दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह टेस्टिंग चीन और रूस के बराबर होनी चाहिए।अमेरिका ने आखिरी बार 23 सितंबर 1992 को परमाणु परीक्षण किया था। यह अमेरिका की 1,030वीं टेस्टिंग थी।

टेस्टिंग रेनियर मेसा पहाड़ी के 2300 फीट नीचे नेवादा टेस्ट साइट पर की गई, ताकि रेडिएशन बाहर न फैले। इसका कोडनेम था- डिवाइडर। विस्फोट जमीन के नीचे इतनी जोर से हुआ कि नीचे की चट्टानें पिघल गई थीं। जमीन की सतह लगभग 1 फुट ऊपर उठकर फिर धंस गई।

वहां अभी भी 150 मीटर चौड़ा और 10 मीटर गहरा गड्ढ़ा दिखाई देता है। दुनिया के 9 परमाणु हथियार संपन्न देश अपनी न्यूक्लियर ताकत लगातार बढ़ा रहे हैं। सबसे तेज रफ्तार से यह काम चीन कर रहा है, जिसने हर साल औसतन 100 नए वॉरहेड अपने जखीरे में जोड़े हैं। अब उसके पास कम से कम 600 परमाणु वॉरहेड हो चुके हैं। ये जानकारी स्वीडन स्थित थिंक टैंक एघ्ङ्क्षह्र (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की ताजा रिपोर्ट में दी गई है। एसआईपीआरआई की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के अलावा अमेरिका, रूस, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देश भी अपने न्यूक्लियर हथियारों को आधुनिक बना रहे हैं। भारत के पास फिलहाल 180 परमाणु वॉरहेड हैं। 2023 में यह संख्या 172 थी। यानी भारत ने भी अपनी क्षमता में मामूली इजाफा किया है। एसआईपीआरआई का मानना है कि भारत अब कैनिस्टराइज्ड मिसाइल टेक्नोलॉजी विकसित कर रहा है। इससे मिसाइलें युद्ध की स्थिति से पहले भी तैनात की जा सकती हैं।रूस ने अक्टूबर 2025 में दुनिया की पहली न्यूक्लियर पावर्ड यानी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली क्रूज मिसाइल बुरेवस्तनिक-9एम739 का सफल परीक्षण किया। दावा किया जा रहा है कि यह मिसाइल अनलिमिटेड रेंज वाली है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि इसके सभी टेस्ट पूरे हो चुके हैं। ऐसी मिसाइल दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है। पहले कई एक्सपर्ट यकीन नहीं करते थे कि ऐसा हथियार भी बन सकता है, लेकिन यह हकीकत बन चुका है। कोई भी डिफेंस सिस्टम इस नहीं रोक सकता। रूसी सेना के प्रमुख वैलेरी गेरेसिमोव ने बताया कि टेस्ट में बुरेवस्तनिक ने करीब 15 घंटे तक उड़ान भरी। इस दौरान मिसाइल ने 14 हजार कलिोमीटर की दूरी तय की। कुछ अमेरिकी सांसदों का मानना है कि अगर अमेरिका फिर से न्यूक्लियर टेस्टिंग नहीं करेगा तो उसका परमाणु हथियार भंडार कमजोर पड़ सकता है।

लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि बिना धमाका किए भी आधुनिक तकनीक से हथियारों की स्थिति जांची और उन्हें सुरक्षित रखा जा सकता है।

2017 में यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के अर्थशास्त्री कीथ मेयर्स की एक रिसर्च के मुताबिक अमेरिका में इन परमाणु परीक्षणों से निकले रेडिएशन की वजह से लगभग 6.9 लाख अमेरिकी नागरिकों की मौतें हुईं या उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा। 21वीं सदी में अब तक केवल उत्तर कोरिया ने न्यूक्लियर टेस्टिंग किए हैं।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया लगातार किम जोंग उन पर दबाव बनाते रहे हैं कि वह परमाणु हथियार छोड़ दे और शांतिपूर्ण समझौते की दिशा में बढ़े।

मुझे नहीं पता, कब तक जिंदा रहूंगा,बहुत लोगों के निशाने पर-ट्रम्प

दो दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के रिजॉर्ट में घुसा था शख्स

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा, 'मैं कब तक जिंदा रहूंगा, यह मुझे नहीं पता। मैं बहुत लोगों की गोली के निशाने पर हूं।' ट्रम्प ने वाइट हाउस में

प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। ट्रम्प के इस बयान को दो दिन पहले उनके रिजॉर्ट में हुई घुसपैठ से जोड़ा जा रहा है। दरअसल, रविवार को एक शख्स डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजॉर्ट में घुसने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार रात 1.30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नॉर्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है।घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में वाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजॉर्ट के नॉर्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शॉटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया। युवक ने केन तो रख दी, लेकिन शॉटगन को गोली चलाने की पोजिशन में उठा लिया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने गोली चलाई और वह मारा गया। जांच में पता चला कि इस शख्स परिवार ने कुछ दिन पहले उकसे लापता होने की रिपोर्ट की थी। वह नॉर्थ कैरोलीना से साउथ की ओर आया था और रास्ते में शॉटगन खरीदी। उसकी कार में गन का डिब्बा मिला भी है। ट्रम्प को चुनावी रैली में गोली मारी थी ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक चुनावी रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से 4 महीने पहले हुआ था। 20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।अमेरिका में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की सुरक्षा का जिम्मा यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के पास होता है। यह एक फेडरल एजेंसी है, जो होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट के तहत काम करती है। सीक्रेट सर्विस की शुरुआत 1865 में हुई थी। शुरू में इसका मुख्य काम नकली नोट रोकना था, लेकिन 1901 में राष्ट्रपति विलियम मैकिन्ले की हत्या के बाद संसद ने इसे राष्ट्रपति की सुरक्षा का काम सौंप दिया। 1902 से यह सीक्रेट सर्विस की फुल-टाइम जिम्मेदारी बन गई। 1906 में कांग्रेस ने इसके लिए फंड्स और कानूनी अधिकार दिए।राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति (उनके परिवार) राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति बनने वाले उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति (जीवनभर), उनकी पत्नी और 16 साल से कम उम्र के बच्चे विदेशी राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख (जो अमेरिका आते हैं) राष्ट्रपति पद के प्रमुख उम्मीदवार और उनकी पत्नी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के लिए यह सुरक्षा अनिवार्य है। वे इसे मना नहीं कर सकते। बाकी लोग मना कर सकते हैं।सीक्रेट सर्विस के स्पेशल एजेंट्स हमेशा तैनात रहते हैं। जब भी कोई अमेरिकी राष्ट्रपति कहीं जाता है, घर में रहता है या विदेश यात्रा करता है तो सीक्रेट सर्विस ही उसकी पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। एजेंट्स पहले से जगह का सर्वे करते हैं, खतरे की जानकारी इकट्ठा करते हैं और हर संभावित जोखिम को पहले ही रोकने की कोशिश करते हैं।ट्रम्प के रिजॉर्ट में बिना कार्ड यहां एंट्री नहीं होती। इसकी लाइफटाइम मेंबरशिप फीस 8.50 करोड़ रुपए है। पैसा होने पर भी सभी को मेंबरशिप नहीं मिलती है। इसके लिए पहले उसकी हिस्ट्री चेक होती है। मसलन बैंक अकाउंट डिटेल, सोशल स्टेट्स और फैमिली बैकग्राउंड। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक हर साल बड़ी संख्या में दुनियाभर के अमीर लोग इसके लिए अप्लाई करते हैं, लेकिन कुछ को ही मेंबरशिप मिलती है।

राहुल ने कहा- मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की,उनपर एपस्टीन और अडाणी के केस का दबाव

भोपाल। ट्रेड डील के विरोध में आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जवाहर चौक पर कांग्रेस ने 'किसान महाचौपाल' बुलाई है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान के

इतिहास में पहली बार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। वे चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर बात रखना चाहते थे। राहुल ने कहा- मैंने लोकसभा में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की बात रखी थी, उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि जब चीनी घुसपैठ हुई थी तो उन्हें हिंदुस्तान की सरकार ने अकेला छोड़ दिया। राहुल गांधी ने कहा- मोदी ने अमेरिका से देश बेचने की डील की।

उन पर एपस्टीन और अडाणी के केस का दबाव है। हिंदुस्तान को बेच दिया। किसानों का डेटा अमेरिका को बेच दिया।वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- नरेंद्र मोदी सरेंडर मोदी हैं। उन्होंने देश को बेच दिया। किसानों के साथ छल किया। मोदीजी रोज उठकर चाय पर बात करते थे, तो क्या देश को बेचने की बात करते थे।सभा स्थल पर जाने को लेकर कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं की पुलिस से बहस हो रही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। एसीपी ट्रैफिक अजय वाजपेयी ने बताया कि कार्यक्रम में आने वालों को प्लेटिनम प्लाजा और वीआईपी रोड डिपो की ओर से एंट्री दी जा रही है। वहीं जवाहर चौक, माता मंदिर और न्यू मार्किट की तरफ से ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। इसके बावजूद कई मार्गों पर कांग्रेसी अब भी डटे हुए हैं। प्रवेश न मिलने से कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है, जबकि पुलिस हालात को नियंत्रित करने में जुटी हुई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका के साथ की गई ट्रेड डील में प्रधानमंत्री ने देश को बेच दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते से देश का डेटा सौंपा गया, किसानों, टेक्सटाइल उद्योग और रोजगार को नुकसान पहुंचाया गया, जो शर्म की बात है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अमेरिका में अडानी से जुड़े मामलों को लेकर प्रधानमंत्री चिंतित हैं और 14 महीनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने

दिल्ली से रवाना होने से पहले कहा कि देश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों में गहरी नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के दबाव में आकर उनकी शर्तें मान लीं, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ी। ऐसे फैसले लिए गए, जो किसानों के हितों के खिलाफ हैं और देश को कमजोर करते हैं। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस डरने वाली पार्टी नहीं है।सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी तो आज आ रहे हैं हम तो 365 दिन किसानों के लिए काम करते हैं। राहुल तो राज्य की जनता से माफी मांगें। उनकी सरकार 1956 में बनी, तब से लेकर 2003 तक सिंचाई का रकबा केवल साढ़े सात लाख हेक्टेयर क्यों रहा।

कांग्रेस ने किसानों के साथ अन्याय किया।राहुल गांधी ने कहा- मोदी ने किसानों को खत्म किया, हमारा डेटा दिया-राहुल गांधी ने कहा- मोदी ने किसानों को खत्म किया। हमारा डेटा दिया। टेक्सटाइल इंडस्ट्री को खत्म किया। अब कहते हैं हम बांग्लादेश की मदद करेंगे। टेक्सटाइल में जीरो परसेंट टैक्स लगाएंगे। हमारा मंत्री कहता है कि हिंदुस्तान अमरीका से कपास खरीदेगा तो टैक्स जीरो। ट्रंप कहता है कि हर साल हिंदुस्तान को नौ लाख करोड़ रुपए का माल अमरीका से खरीदना पड़ेगा। पांच साल के लिए। बात समझिए। ऐसे में हमारी इंडस्ट्री का क्या होगा? मोदी ने दबाव में सब दे दिया। मैं पूछता हूं आपने लिया क्या? मुझे एक चीज बता दो। कुछ नहीं लिया। पहले से ज्यादा टैक्स हम देंगे। हमारा पहले कम था। हम कोई इंपोर्ट की गारंटी नहीं दी। मैं लिखकर दे सकता हूं, अगर मोदी पर दबाव और धमकी नहीं होती तो वे ऐसा नहीं करते। राहुल ने कहा- ये जो बेचा है अपनी छवि और राजनीतिक भविष्य को बचाने के लिए किया। लेकिन वे बच नहीं सकते। उनको कोई बचा नहीं सकता। मैं कांग्रेस के बब्बर शेरों से कहता हूं, आप किसी से डर नहीं सकते। आपने इंडस्ट्री बनाई, मोदी ने खत्म किया।

आपको डरने की जरूरत नहीं है।राहुल गांधी बोले- अमेरीका से ये डील नहीं है, दिल में तीर है-राहुल गांधी ने कहा- मोदी ने देश को बेच दिया। ये बात बीजेपी और आरएसएस के सारे कार्यकर्ता के मन में है।

वो जानते हैं कि नरेंद्र मोदी को दो ग्रिप से चोक कर दिया गया है। उनकी आंखों में देखिए आपको दिखेगा कि नरेंद्र मोदी को फंसा दिया गया है। उन्होंने ये डील की है। ये डील नहीं है, इनके दिल में तीर है। अमरीका में एक और चीज हुई।

वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रंप टैरिफ को रद्द करेंगे और रद्द कर दिया।

बाकी देशों ने भी कर दिया, लेकिन नरेंद्र मोदी के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। मैं चैलेंज करता हूं नरेंद्र मोदी को। राहुल गांधी ने कहा- दम है तो आप अमरीका और यूएस की डील को रद्द करके दिखा दीजिए। ये नहीं कर सकते हैं क्योंकि अडाणी का केस है। एपस्टीन की धमकी है। सिर्फ किसानों को नहीं, 21वीं सदी में सबसे जरूरी चीज डेटा है। जिसके पास डेटा है, वो जीतेगा, जिसके पास डेटा नहीं है वो खत्म हो जाएगा। राहुल ने कहा- दुनिया में सबसे ज्यादा डेटा हिंदुस्तान के पास है। दूसरे नंबर पर चाइना है। हिंदुस्तान के डेटा के बिना चाइना का मुकाबला अमरीका नहीं कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- नरेंद्र मोदी सरेंडर मोदी हैं। उन्होंने देश को बेच दिया। किसानों के साथ छल किया। मोदीजी रोज उठकर चाय पर बात करते थे, तो क्या देश को बेचने की बात करते थे।

कैबिनेट ने केरल का नाम 'केरलम' करने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में

मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इसमें तीन रेल प्रोजेक्ट, अहमदाबाद मेट्रो के एक्सटेंशन और श्रीनगर एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल समेत कुल 8 फैसले लिए गए हैं।इसके अलावा केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई है। केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। अब राष्ट्रपति 'केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026' को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। कैबिनेट की पिछली बैठक 13 फरवरी को पीएमओ के साउथ ब्लॉक वाले ऑफिस में हुई थी। इसके बाद पीएमओ को नए ऑफिस में शिफ्ट कर दिया गया था। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। सेवा तीर्थ कॉम्पलेक्स में कुल 3 इमारतें हैं- सेवा तीर्थ-1, सेवा तीर्थ-2 और सेवा तीर्थ-3। सेवा तीर्थ-1 में पीएमओ है। सेवा तीर्थ-2 में कैबिनेट सचिवालय और सेवा तीर्थ-3 में एनएससीएस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का ऑफिस है। ये सभी ऑफिस पहले अलग-अलग जगहों पर थे। कैबिनेट सचिवालय सितंबर 2025 में ही सेवा तीर्थ-2 में शिफ्ट हो चुका है। आज पीएमओ के साथ एनएससीएस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का ऑफिस भी यहां शिफ्ट हो गया है। पीएम आज कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन भी करने वाले हैं। यहां मंत्रालयों के नए ऑफिस होंगे। पहले नॉर्थ ब्लॉक मंत्रालयों का ठिकाना था। रु1189 करोड़ की लागत से बना सेवा तीर्थ-सेवा तीर्थ का मतलब है 'सेवा का स्थान'। पहले इसका नाम 'एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव' रखा गया था, लेकिन 2 दिसंबर 2025 में इसका नाम बदलकर सेवा तीर्थ रखा गया। यह नई दिल्ली में दारा शिकोह रोड पर एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव में स्थित है। यह करीब 2.26 लाख वर्ग फीट (करीब 5 एकड़) में बना है। इसे एल एंड टी कंपनी ने रु1189 करोड़ में बनाया है। नए पीएमओ के पास ही प्रधानमंत्री का नया आवास भी बन रहा है। इसके तैयार होने के बाद प्रधानमंत्री 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित मौजूदा आवास से नए आवास में शिफ्ट हो जाएंगे। हालांकि, अभी इसकी तारीख सामने नहीं आई है। सरकार की योजना है कि नॉर्थ-साउथ ब्लॉक की ऐतिहासिक इमारतों को 'युगे-युगेन भारत नेशनल म्यूजियम' में बदला जाएगा। इसे विश्वस्तरीय म्यूजियम के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां भारत की सभ्यता को दिखाया जाएगा। इसमें करीब 25 से 30 हजार कलाकृतियां प्रदर्शित की जाएंगी। यह दुनिया के सबसे बड़े म्यूजियम में से एक होने की संभावना है।

26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की कनाडाई नागरिकता रद्द करने की तैयारी

मुंबई। मुंबई 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की कनाडाई नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कनाडा सरकार ने आरोप लगाया है कि राणा ने नागरिकता आवेदन के समय निवास संबंधी गलत जानकारी दी थी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 26 फरवरी को भारत दौरे पर आने वाले हैं। ऐसे में ओटावा की यह कार्रवाई दोनों देशों के संबंधों को रीसेट करने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है। इससे पहले जस्टिन ट्रूडो सरकार के दौरान भारत-कनाडा संबंधों में तनाव रहा था। इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज़ एंड सिटिजनशिप कनाडा (आइआरसीसी) के मुताबिक राणा की नागरिकता आतंकवाद के आरोपों के कारण नहीं, बल्कि गलत जानकारी देने के आधार पर रद्द की जा रही है। राणा ने 2000 में नागरिकता के लिए आवेदन किया था। दावा किया था कि आवेदन से पहले चार साल तक ओटावा और टोरंटो में रहे। इस दौरान केवल छह दिन देश से बाहर रहने की बात कही थी।हालांकि, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की जांच में सामने आया कि वह अधिकांश समय शिकागो में था, जहां उसके कई प्रॉपर्टी और व्यवसाय थे। आइआरसीसी ने इसे गंभीर और जानबूझकर किया गया धोखा बताया है। विभाग का कहना है कि गलत जानकारी के कारण अधिकारियों ने यह मान लिया कि वह नागरिकता की पात्रता शर्तें पूरी करता है। मामला अब फेडरल कोर्ट ऑफ कनाडा में है, जो अंतिम फैसला करेगा। राणा के वकीलों ने इस कार्रवाई को चुनौती दी है और इसे अनुचित बताया है। इधर, राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद 10 अप्रैल को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए)ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया था।

कर्नाटक हाई कोर्ट पहुंचे रणवीर सिंह,'कंतारा विवाद' को लेकर प्राइवेट कंप्लेंट और दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह ने अपने खिलाफ बेंगलुरु में फाइल की गई प्राइवेट कंप्लेंट और एफआईआर को रद्द करने के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह मामला फिल्म दो नोटिस जारी किए हैं। इसी वजह से तुरंत सुनवाई जरूरी है। दलील सुनने के बाद कोर्ट ने याचिका पर मंगलवार को सुनवाई तय की। बता दें कि विवाद की शुरुआत पिछले साल गोवा में हुई संहिता की धाराओं 196, 299 और 302 का उल्लेख किया गया। शिकायतकर्ता ने कहा कि यह कॉग्निजेबल और पनिशेबल ऑफेंस है। इसमें तीन साल तक की सजा या जुर्माना हो सकता

कंतारा: चैप्टर 1 से जुड़ी टिप्पणी से संबंधित है। यह पिटीशन कर्नाटक हाई कोर्ट में फाइल की गई। इसमें शहर की मजिस्ट्रेट कोर्ट में लंबित शिकायत को चुनौती दी गई और बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर पर सवाल उठाए गए। इस मामले में पुलिस और शिकायतकर्ता एडवोकेट प्रशांत मेथल को केस में रेस्पॉन्डेंट बनाया गया है। रणवीर सिंह की लीगल टीम सोमवार को कोर्ट में पेश हुई। सुनवाई जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की बेंच के सामने हुई। वकील ने अर्जेंट हियरिंग की मांग की। उन्होंने कहा कि रणवीर सिंह ने फिल्म और एक्टर की तारीफ की थी और बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। कोर्ट ने अर्जेंट सुनवाई पर सवाल उठाया। बेंच ने पूछा कि जल्दी सुनवाई क्यों हो? क्या इसलिए कि पिटीशनर एक बॉलीवुड एक्टर है? कोर्ट ने कहा कि अर्जेंट सुनवाई के लिए ठोस वजहें बताई जानी चाहिए। एक्टर के वकील ने कोर्ट में बताया कि एफआईआर के बाद पुलिस ने थी। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया की क्लोजिंग सेरेमनी में रणवीर सिंह मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने फिल्म कंतारा: चैप्टर 1 को लेकर ऋषभ शेट्टी की एक्टिंग की तारीफ की। इवेंट में उन्होंने कहा था कि उन्होंने फिल्म थिएटर में देखी। ऋषभ की परफॉर्मेंस शानदार थी, खासकर वह सीन जब एक महिला आत्मा शरीर में प्रवेश करती है। शिकायतकर्ता प्रशांत मेथल ने आरोप लगाया कि यह टिप्पणी आपत्तिजनक थी। उनके अनुसार, बयान में देवी चामुंडी को 'फीमेल घोस्ट' कहा गया, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। मेथल ने पहले 3 दिसंबर 2025 को हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दी थी। उस समय एफआईआर दर्ज नहीं हुई। बाद में उन्होंने डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस और पुलिस कमिश्नर को भी आवेदन दिया।जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो शिकायतकर्ता ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने सेक्शन 223 के तहत प्राइवेट कंप्लेंट दायर की। शिकायत में भारतीय न्याय है। वहीं, 28 जनवरी को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मामले में जांच के आदेश दिए। कोर्ट ने बीएनएस के सेक्शन 175(3) के तहत निर्देश जारी किया। इसके अनुसार, पुलिस को जांच शुरू करने से पहले एफआईआर दर्ज करना जरूरी है। कोर्ट के आदेश के बाद हाई ग्राउंड्स पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और रणवीर सिंह को नोटिस भेजा गया। *रणवीर सिंह ने मामले को लेकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। रणवीर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा था- 'मेरा इरादा फिल्म (कांतारा) में ऋषभ की शानदार परफॉर्मेंस को उजागर करने का था। एक अभिनेता होने के नाते, मैं जानता हूं कि उस खास सीन को जिस तरह से उन्होंने निभाया, उसके लिए कितनी मेहनत लगती हैं और इसके लिए मैं उनका अत्यधिक सम्मान करता हू। मैंने हमेशा हमारे देश की हर संस्कृति, परंपरा और आस्था का गहरा सम्मान किया है। अगर मेरी किसी बात से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो मैं दिल से माफी चाहता हूं।'*

रणवीर की 'धुरंधर 2' में इमरान हाशमी की एंट्री की चर्चा,बड़े साहब के रोल को लेकर सस्पेंस

मुंबई। बॉलीवुड की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक 'धुरंधर 2: द रिवेंज' के बारे में बड़ी खबर सामने आई है। रणवीर सिंह की इस ब्लॉकबस्टर सीक्वल फिल्म गैंगस्टर या कुछ बड़े सपोर्टिंग किरदार से इंस्पायर हो सकता है। लेकिन अब सामने आए लीक कास्ट लिस्ट में इमरान हाशमी का नाम शामिल होने से फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। हालांकि, यह जानकारी अभी फिल्म के मेकर्स द्वारा आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। यानी यह कहना जल्दबाजी होगा कि इमरान हाशमी बड़े साहब का किरदार निभा रहे हैं या वे किसी अन्य रोल में होंगे।

में अब एक सस्पेंस कर देने वाला अपडेट आया है, जो बड़े साहब के किरदार से जुड़ा है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और फिल्म जगत में इस किरदार को लेकर खूब चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन अब LetteRoxd की रिपोर्ट के मुताबिक इस बार बड़े फिल्म में इमरान हाशमी की एंट्री की खबर ने सोशल मीडिया पर तेज प्रतिक्रियाएं पैदा कर दी हैं। चर्चा इस बात की हो रही है कि इमरान फिल्म में मुख्य खलनायक की भूमिका में होंगे या कहानी में कोई अलग मोड़ लेकर आएंगे। पहले भी कई अफवाहें थीं कि

साहब की भूमिका में इमरान हाशमी के शामिल होने की बात सामने आई है। पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि बड़े साहब दाऊद इब्राहिम जैसे असली धुरंधर 2 में बड़े साहब दाऊद इब्राहिम या किसी और कुख्यात नाम पर आधारित हो सकता है, लेकिन अब इस कयास पर थोड़ा सस्पेंस बना हुआ है।

क्या आपका पीरियड ब्लड ब्लैक हो रहा है,9 संभावित कारण,कब डॉक्टर के पास जाना जरूरी

नयी दिल्ली। पीरियड ब्लड लाल या गहरे लाल रंग का होता है। लेकिन कई बार यह काले या भूरे रंग का भी दिख सकता है। पीरियड ब्लड का कलर सामान्य से अलग दिखने पर मन में सवाल

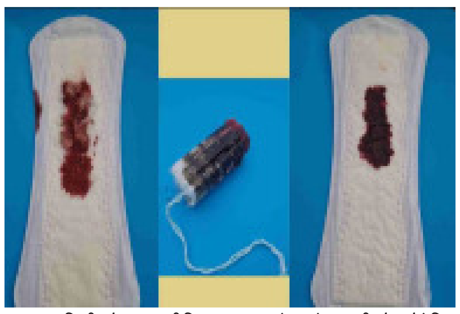

उठना लाजिमी है। क्या पीरियड ब्लड का ब्लैक होना सामान्य है या यह किसी हेल्थ कंडीशन का संकेत है? असल में 'पीरियड ब्लड' का रंग शरीर के अंदर की कुछ प्रक्रियाओं, हॉर्मोन्स और फ्लो पर निर्भर करता है। यह कई बार सामान्य होता है, लेकिन कुछ स्थितियों में किसी गंभीर हेल्थ कंडीशन का संकेत भी हो सकता है। विषय को समझेंगे डॉ. अनुपमा गंगवाल सीनियर कंसल्टेंट, ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, कोकून हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- अमूमन पीरियड ब्लड रेड या डार्क रेड होता है। लेकिन अगर इसका कलर ब्लैक दिखे तो इसका क्या मतलब है? जवाब- पीरियड और बाद में क्लॉट के रूप में बाहर आया। यह इन कंडीशंस में सामान्य हो सकता है- हैवी फ्लो होने पर। अनियमित पीरियड में। अगर क्लॉट्स की समस्या लगातार बनी हुई है तो यह कुछ हेल्थ कंडीशन का संकेत हो सकती है। जैसेकि- फाइब्रॉइड्स (यूटेरस में नॉन कैंसरस गांठें)। हॉर्मोनल डिसऑर्डर। एंडोमेट्रियल असामान्यता।अगर क्लॉट्स के साथ दर्द, कमजोरी या हैवी ब्लीडिंग हो तो गायनेकोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना जरूरी है। सवाल- ब्लैक पीरियड ब्लड किन इन्फेक्शन या बीमारियों का संकेत हो सकता है? जवाब- लगातार ब्लैक ब्लड इन बीमारियों का संकेत हो सकता है- पेल्विक इंफ्लेमेटरी डिजीज सेक्सुअली ट्रांसमिटेड डिजीज (जैसे क्लैमाइडिया और गोनोरिया) वजाइनल इन्फेक्शन अगर काले रंग के साथ बैड स्मेल, पेल्विक पेन (पेट के निचले हिस्से में दर्द) और अनयूजुअल डिस्चार्ज भी दिखे तो नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। डार्क रेड: इसका मतलब है कि सब ठीक है, लेकिन ब्लड कुछ देर यूटेरस में रुका हुआ था। अक्सर पीरियड की शुरुआत में या आखिरी दिनों में ऐसा रंग दिखता है। ब्राउन: इसका मतलब है कि ब्लड ऑक्सीजन के संपर्क में आने से 'ऑक्सीडाइज' हो गया है। जब पीरियड का फ्लो धीमा होता है या साइकिल में देरी होती है, तब ऐसा रंग दिखता है। यह सामान्य है, लेकिन अगर इसके साथ बैड स्मेल, हैवी क्लॉटिंग या पेट में असामान्य दर्द हो, तो यह इन्फेक्शन का संकेत हो सकता है।ब्लैक: काला रंग देखकर घबराएं नहीं, ब्लड लंबे समय तक यूटेरस में रुकने के कारण ऐसा होता है। पीरियड के शुरू या अंत में यह सामान्य है। लेकिन, अगर लगातार काला रंग दिखे और साथ में हैवी क्रैंप्स हो, बैड स्मेल के साथ डिस्चार्ज हो तो यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। पिंक: गुलाबी या पानी जैसा पतला ब्लड लो-एस्ट्रोजन लेवल का संकेत हो सकता है। कई बार ओव्यूलेशन के दौरान होने वाली 'स्पॉटिंग' भी ऐसी दिखती है। अगर ऐसा लगातार हो रहा है, तो यह शरीर में हॉर्मोनल असंतुलन या पोषण की कमी का संकेत है। ऑरेंज: जब पीरियड ब्लड यूटेरस के सर्वाइकल फ्लूइड के साथ मिल जाता है, तो रंग ऑरेंज लगता है। यह बैक्टीरियल इन्फेक्शन या 'इंफ्लेमेटरी डिस्चार्ज' का संकेत हो सकता है। अगर इसके साथ खुजली हो या बैड स्मेल आए तो

ब्लड का ब्लैक कलर आमतौर पर 'ऑक्सीडाइज्ड ब्लड' का संकेत होता है। यानी ब्लड गर्भाशय या वजाइना में ज्यादा समय तक रुकने और हवा के संपर्क में आने से काला हो गया है। रंग में ऐसा बदलाव आमतौर पर पीरियड्स के शुरुआती और अंतिम दिनों में अधिक दिखता है। अगर इसका रंग लगातार काला यह एंडोमेट्राइटिस (यूटेरस की अंदरूनी लेयर में इंफ्लेमेशन या संक्रमण) का संकेत हो सकता है। सवाल- क्या पीसीओएस या हॉर्मोनल इंबैलेंस के कारण पीरियड ब्लड काला हो सकता है? जवाब- हां, पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) और हॉर्मोनल इंबैलेंस होने पर ओव्यूलेशन

बना रहे या अन्य लक्षण भी दिखें तो डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है।सवाल- पीरियड ब्लड का कलर काला कब दिखता है? जवाब- आमतौर पर पीरियड ब्लड लाल होता है, कुछ कंडीशंस में यह काला हो सकता है- अगर पीरियड्समें ब्लड फ्लो धीमा हो। अगर कम फ्लो के कारण ब्लड यूटेरस में ज्यादा समय तक रुका रहे। अगर शरीर में हॉर्मोनल इंबैलेंस हो। अगर मेंस्ट्रुअल साइकिल में देरी हो। सवाल- क्या पीरियड ब्लड का कलर ब्लैक होना नॉर्मल है या किसी खतरे का संकेत? जवाब- एक-दो दिन ब्लैक ब्लड दिखना सामान्य है। लेकिन अगर मेंस्ट्रुअल साइकिल में नीचे दिए संकेत भी दिख रहे हैं तो डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है- अगर लगातार ब्लैक ब्लीडिंग हो रही है। अगर पीरियड ब्लड से अजीब स्मेल आ रही है। अगर पीरियड्स के दौरान असामान्य दर्द हो रहा है। अगर असामान्य डिस्चार्ज हो रहा है। ये सभी लक्षण इन्फेक्शन, ब्लॉकेज या एंडोमेट्रियल समस्याओं (यूटेरस की अंदरूनी लेयर में बदलाव) का संकेत हो सकते है। इसलिए इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सवाल- किन कारणों से पीरियड ब्लड काला हो सकता है? जवाब- कुछ मामलों में यह सामान्य होता है, लेकिन कभी-कभी कुछ हेल्थ कंडीशन के कारण भी पीरियड ब्लड ब्लैक हो सकता है।सवाल- ब्लड में काले रंग के साथ क्लॉट्स हों तो इसका क्या मतलब है? जवाब- ब्लैक कलर के साथ क्लॉट्स का मतलब है कि ब्लड लंबे समय तक यूटेरस में रुका रहा अनियमित हो जाता है, जिससे मेंस्ट्रुअल साइकल लंबा हो सकता है। ऐसे मामलों में फ्लो और साइकिल इर्रेगुलर हो सकते हैं। साथ ही हैवी क्लॉटिंग भी हो सकती है। इसलिए पीसीओएस या हॉर्मोनल इंबैलेंस होने पर पीरयड ब्लड ब्लैक हो जाता है। सवाल- क्या मिसकैरेज या अधूरे मिसकैरेज के कारण भी पीरियड ब्लड काला हो सकता है? जवाब- हां, शुरुआती या अधूरे मिसकैरेज में यूटेरस से क्लॉट के साथ रुका हुआ ब्लड भी निकलता है। इससे ब्लड काला दिख सकता है। इसमें अक्सर सीवियर क्रैम्प्स, हैवी ब्लीडिंग, टिश्यू जैसे क्लॉट्स और कमजोरी जैसे लक्षण भी दिखते हैं। अगर कोई महिला प्रेग्नेंट है और ऐसा कोई भी लक्षण दिखे तो यह एक महत्वपूर्ण क्लिनिकल संकेत है, जिसमें गायनेकोलॉजिस्ट से कंसल्ट करना जरूरी है।सवाल- पीरियड ब्लड के अलग-अलग रंग हमारे शरीर की सेहत के बारे में क्या बताते हैं? जवाब- महिलाओं में ब्राइट रेड पीरियड ब्लड हेल्दी फ्लो का संकेत है। डार्क रेड या ब्राउन कलर इस बात का इशारा है कि यूटेरस में ब्लड रुका हुआ था। पीरियड ब्लड के अलग-अलग कलर हॉर्मोनल हेल्थ, इन्फेक्शन से लेकर यूटेरस की कंडीशन तक कई महत्वपूर्ण क्लिनिकल संकेत देते हैं। कौन सा रंग क्या बताता है, समझिए- ब्राइट रेड: इसका मतलब है कि आपकी 'प्रोडक्टिव एंडोमेट्रियम शेडिंग' (गर्भाशय की सफाई) सही तरीके से हो रही है। लेकिन अगर हैवी फ्लो हो और साथ में चक्कर या कमजोरी महसूस हो, तो इसे इसे इग्नोर न करें और तुरंत गायनेकोलॉजिस्ट से कंसल्ट करें। ग्रे: यह आमतौर पर 'बैक्टीरियल वैजिनोसिस' जैसे गंभीर इन्फेक्शन के कारण होता है। इसमें अक्सर मछली जैसी स्मेल आती है। ऐसी कंडीशन में तुरंत गायनेकोलॉजिस्ट से कंसल्ट करें। क्लॉट्स के साथ डार्क/ब्लैक: छोटे क्लॉट्स सामान्य हैं, लेकिन अगर क्लॉट्स बड़े हैं और ब्लीडिंग बहुत हैवी है तो यह फाइब्रॉइड्स या हॉर्मोनल डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। सवाल- क्या पीरियड में ब्लड कलर का फर्टिलिटी हेल्थ से कोई रिलेशन है? जवाब- ब्लड का कलर सीधे फर्टिलिटी के बारे में नहीं बताता, लेकिन हॉर्मोनल बैलेंस और एंडोमेट्रियल हेल्थ के संकेत देता है। इनसे फर्टिलिटी प्रभावित हो सकती है। सवाल- पीरियड ब्लड के किन संकेतों पर डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए? जवाब- पीरियड ब्लड के इन संकेतों पर तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें- ब्लड लगातार काला है। बैड स्मेल आ रही है। बार-बार हैवी क्लॉट्स बन रहे हैं। फ्लो बहुत ज्यादा या बहुत कम है। ब्लड के साथ ग्रे/ऑरेंज कलर का डिस्चार्ज हो रहा है। साइकिल अचानक अनियमित हो गया है।

'गंजी हो रही हो', यह बोलने पर फूट-फूटकर रोई थी:पति कहीं साथ लेकर नहीं जाते, विग पहनकर नकली रूप देखना अच्छा नहीं लगता

नयी दिल्ली। 'एक बार बेटी के स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग थी। वहां उसकी एक दोस्त ने कह दिया कि आंटी आप तो गंजी तो ये टूटकर हाथ में आ जाते हैं। आईने में देखती हूं तो बालों के बिना सुंदरता अधूरी लगती है। एक बार मोहल्ले में पूजा थी।

हो। मेरी बेटी रोने लगी, उसे लगा कि मेरी मां अच्छी नहीं हैं। उस दिन घर लौटकर मैं भी खूब रोई थी। पति अब कहीं साथ लेकर नहीं जाते। बाल थे तो सिर खुला रखकर चलती थी, अब ढंककर चलना पड़ता है। घर से बाहर जाने में शर्मिंदगी महसूस होती है। मन में यही चलता रहता है कि क्या फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी।' ब्लैकबोर्ड में इस बार कहानी उन महिलाओं की जो बाल झड़ने की वजह से डिप्रेशन में चली गईं और ट्रीटमेंट के बाद भी बाल वापस नहीं आए। 37 साल की कमलेश दिल्ली में रहती हैं। वो कहती हैं कि जिंदगी आगे बढ़ रही है, लेकिन हर रोज खुद से लड़ती हूं। बाल झड़ने के कारण बहुत ही तनाव में रहने लगी हूं। सिर की त्वचा दिखने लगी है, जिसे देखकर बहुत गंदा महसूस होता है। लोग कहते हैं, तुम्हारे बाल झड़ रहे हैं, तुम गंजी हो रही हो, ये सुनकर अंदर से टूट जाती हूं। पहले जब मैं कम बालों वाली लड़कियों को देखती, तो सोचती थी कि लोग इनके बारे में क्या सोचते होंगे। इनके लिए सजना-संवरना क्या रह गया होगा। अब वही सवाल मेरे सामने खड़े हो गए हैं। कितना भी तैयार हो लूं, कितने भी अच्छे कपड़े पहन लूं, कुछ भी अच्छा नहीं लगता। हर नुस्खा, हर इलाज आजमा चुकी हूं। नीम, करेला, आंवला खाया, दही, मेथी, शिकाकाई, रीठा लगाया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। आज भी अगर कोई नुस्खा बताता है तो करती हूं। पति को अब मेरे साथ पार्टी वगैरह में जाना अच्छा नहीं लगता। वो कहते हैं–तुम कहीं जाने लायक नहीं रह गई हो। लोग तंज कसते हैं कि आपकी बीवी के तो बाल गिरते जा रहे हैं।बालों में उंगलियां फेरती हूं, बहुत सी औरतें बैठी थीं। उनमें से एक ने सबके सामने मुझसे कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। मैं अपसेट हो गई और पूजा छोड़कर घर वापस चली आई। कभी मेरे बाल बहुत घने थे, लेकिन अब हालात ये हैं कि मेरे सिर की त्वचा दिखने लगी है। बालों के झड़ने के कारण मैं डिप्रेशन में रहने लगी हूं। अब दिन-रात मन में यही चलता है क्या मैं फिर से पहले जैसी दिख पाऊंगी। शुरू में ध्यान नहीं दिया, अब बहुत देर हो चुकी है। हेयर एक्सटेंशन करवाना चाहती हूं, लेकिन बहुत महंगा है। 50 हजार से 1 लाख तक खर्च आता है। यही नहीं, उसे हर महीने मेंटेन और रीफिल भी करवाना पड़ता है। मेरे पति बीमार पड़ गए,

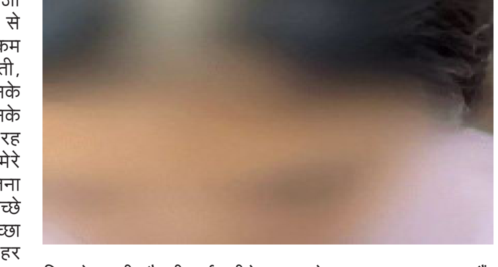

जिससे उनकी नौकरी कई महीने पहले चली गई। अब घर का सारा खर्च मैं ही उठा रही हूं। ऐसे में बालों के लिए भारी खर्च कैसे करूं। कई बार हसबैंड से हेयर एक्सटेंशन कराने की बात की, लेकिन उनका चेहरा उतर जाता है, फिर रुक जाती हूं। विग भी आजमाया, लेकिन साफ पता चल जाता है। विग पहनकर जब आईने में देखती हूं तो नकली रूप देखकर तकलीफ होती है। मैंने योग किया, जॉगिंग भी किया, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दिल्ली में पानी भी साफ नहीं आता। शायद ये भी एक वजह है, लेकिन बाल झड़ने की सबसे बड़ी वजह हार्मोनल इम्बैलेंस है। ससुराल वालों की टेंशन, बालों के झड़ने से बच्चों का चिंतित होना, इन सब से घिरी रहती हूं। दरअसल, लड़की होने के नाते बालों के बिना जीना आसान नहीं होता। मैं जॉब करती हूं। वहां काम की वजह से तनाव होता है। स्ट्रेस के कारण भी यह समस्या बढ़ जाती है। कमलेश

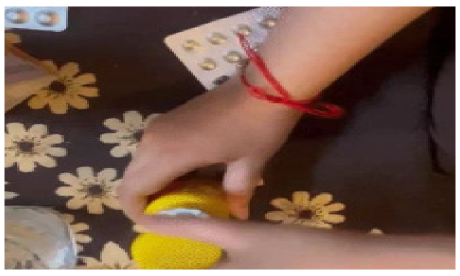

की तरह 16 साल की माही भी बाल झड़ने से परेशान हैं। वो नोएडा में रहती हैं। कहती हैं- कुछ महीने पहले मेरे बाल बहुत टूट गए थे। इतने कि शीशे में खुद को देखने से कतराने लगी थी। कभी नहीं सोचा था कि बालों का गिरना मुझे डिप्रेशन में धकेल देगा, लेकिन ऐसा ही हुआ। मैं डिप्रेशन में चली गई। मेरे शरीर में विटामिंस की कमी हो गई थी। मैं हर वक्त चिड़चिड़ी रहने लगी थी। पढ़ाई में मन नहीं लगता था। खाना खाने का भी मन नहीं करता था।एक बार मैं एक फंक्शन में गई थी। वहां मेरी एक फ्रेंड और आंटी ने कहा कि तुम्हारे बाल बहुत झड़ गए हैं। क्या हुआ है तुम्हें। उस दिन बाहर से मुस्कुराई, लेकिन अंदर से मुझे खुद के बारे में सोचकर घबराहट होने लगी थी। जब किसी लड़की के बाल झड़ते हैं, तो केवल उसका हेयरस्टाइल नहीं बिगड़ता, पूरी पर्सनैलिटी और कॉन्फिडेंस ही बिगड़ जाता है। नोएडा का पानी बहुत खराब है। यहां कई लड़कियों को बाल झड़ने की समस्या है। एक बार ऑनलाइन एक ऑयल मंगाया, लेकिन उसे लगाने पर तो बाल और ज्यादा झड़ने लगे थे, फिर उसे मैंने फेंक दिया। मेरे साथ मेरे पेरेंट्स भी चिंतित होने लगे। मेरा रात में सोना मुश्किल होने लगा। नींद ही नहीं आती थी। एक दिन बाल धोकर जैसे ही कंघी चलाई, बालों का एक पूरा गुच्छा ही हाथ में आ गया। मैं फटी आंखों से देखती रह गई। कुछ पल तो मेरी सांस रुक गई। मैंने खुद को कमरे में बंद कर लिया। उसी दिन ट्रीटमेंट लेने की ठान ली। मेरे बड़े भैया मेरी फीलिंग समझते हैं। वो मेरा ट्रीटमेंट कराने हॉस्पिटल ले गए। अब धीरे-धीरे फर्क दिख रहा है और साथ ही उम्मीद भी जगी है कि मैं फिर से पहले जैसी हो जाऊंगी।माही की मां कहती हैं कि मेरी बेटी के बाल पहले बहुत घने और खूबसूरत थे, लेकिन अब इसके सिर को देखती हूं तो कांप जाती हूं। अब इसका ट्रीटमेंट करवा रही हूं। 25 साल की वर्षा भी नोएडा में रहती हैं। वह भी बाल झड़ने से परेशान हैं।

वो कहती हैं कि बाल झड़ना सिर्फ मेडिकल प्रॉब्लम नहीं, एक इमोशनल लड़ाई भी है, जो हर रोज खुद से लड़नी पड़ती है। एक बार अपनी दोस्त की शादी के लिए अच्छे से तैयार हुई। वहां पहुंचने पर कुछ लोगों ने कहा कि तुम तो गंजी हो रही हो। ये सुनकर चेहरे की मुस्कान चली गई और अंदर डर समा गया। मेरे गांव की एक आंटी ने एक बार कहा- बाल तो तुम्हारे हैं नहीं, शादी कैसे होगी? उस दिन मैं पूरी रात रोई थी। ऑफिस जाना अब बोझ लगने लगा है। सुबह जब सो कर उठती हूं तो बिस्तर के सिरहाने टूटे पड़े बालों को गिनती हूं। आखिर एक औरत के लिए उसके बाल गहना होते हैं, जब गहना ही न रहा तो सुंदरता कैसी? मेरा आत्मविश्वास जैसे गुम हो गया है। अब एक डर्मेटोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट करवा रही हूं।इंस्टाग्राम पर निहार सचदेवा ने अपनी शादी का एक वीडियो पोस्ट किया है। उनके सिर पर बाल नहीं है। पोस्ट पर लोगों ने भद्दे कमेंट्स किए हैं। उन्हें गंजी, टकली कहा है। एक यूजर ने लिखा है- 'क्या किसी ने कभी आपको टकली कहा?' इसी तरह से और भी कमेंट्स किए गए हैं, जो कि उनका मजाक उड़ाने वाले हैं। एक दूसरे यूजर ने कमेंट किया है- 'इस शिट को देखने की जरूरत क्या है'। आखिर उन्होंने खुद को बिना बालों के स्वीकार कर लिया है। उनके पति ने भी उन्हें स्वीकार कर लिया है, लेकिन समाज आज भी उन्हें टकली कहता है। लोग उनकी तस्वीरों पर भद्दे-भद्दे कमेंट्स करते हैं।कॉस्मेटिक हेयर एक्सपर्ट और प्लास्टिक सर्जन डॉ. समीक्षा त्यागी के मुताबिक युवा लड़के-लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या आज बहुत आम हो गई है। इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। लड़कियों में बाल झड़ने की समस्या अक्सर उनमें हार्मोनल बदलाव होते हैं। पीरियड्स से जुड़ी गड़बड़ियां, थायरॉइड, पीसीओडी जैसे कंडीशंस सीधे तौर पर बालों पर असर डालते हैं। आज लोगों के खान-पान और लाइफस्टाइल में भी बड़ा बदलाव आया है, जो बालों के टूटने के लिए जिम्मेदार है। जंक फूड खाना, असंतुलित डाइट और नींद की कमी के कारण पोषण की कमी हो जाती है। इसका सबसे पहले असर बालों पर पड़ता है। वह कहती हैं कि बाल झड़ना शारीरिक समस्या नहीं, मानसिक भी है। युवा लड़के-लड़कियों का तो यह कॉन्फिडेंस कम कर देता है। डॉ. समीक्षा बताती हैं- ज्यादातर लड़कियां शुरुआत में बाल झड़ने को नजरअंदाज कर देती हैं, लेकिन जब सिर की त्वचा दिखने लगती है, तब वे घबरा जाती हैं और फिर बहुत देर हो चुकी होती है। वो कहती हैं कि कभी भी बाल झड़ने को हल्के में नहीं लेना चाहिए। जांच करवा कर तुरंत ट्रीटमेंट लेना चाहिए। अगर समय पर इलाज लिया जाए तो यह समस्या काफी हद तक काबू की जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।